उमासहस्रनाम

शारदा पुस्तकालय
(संभावना शोध केंद्र)
क्रमांक 726

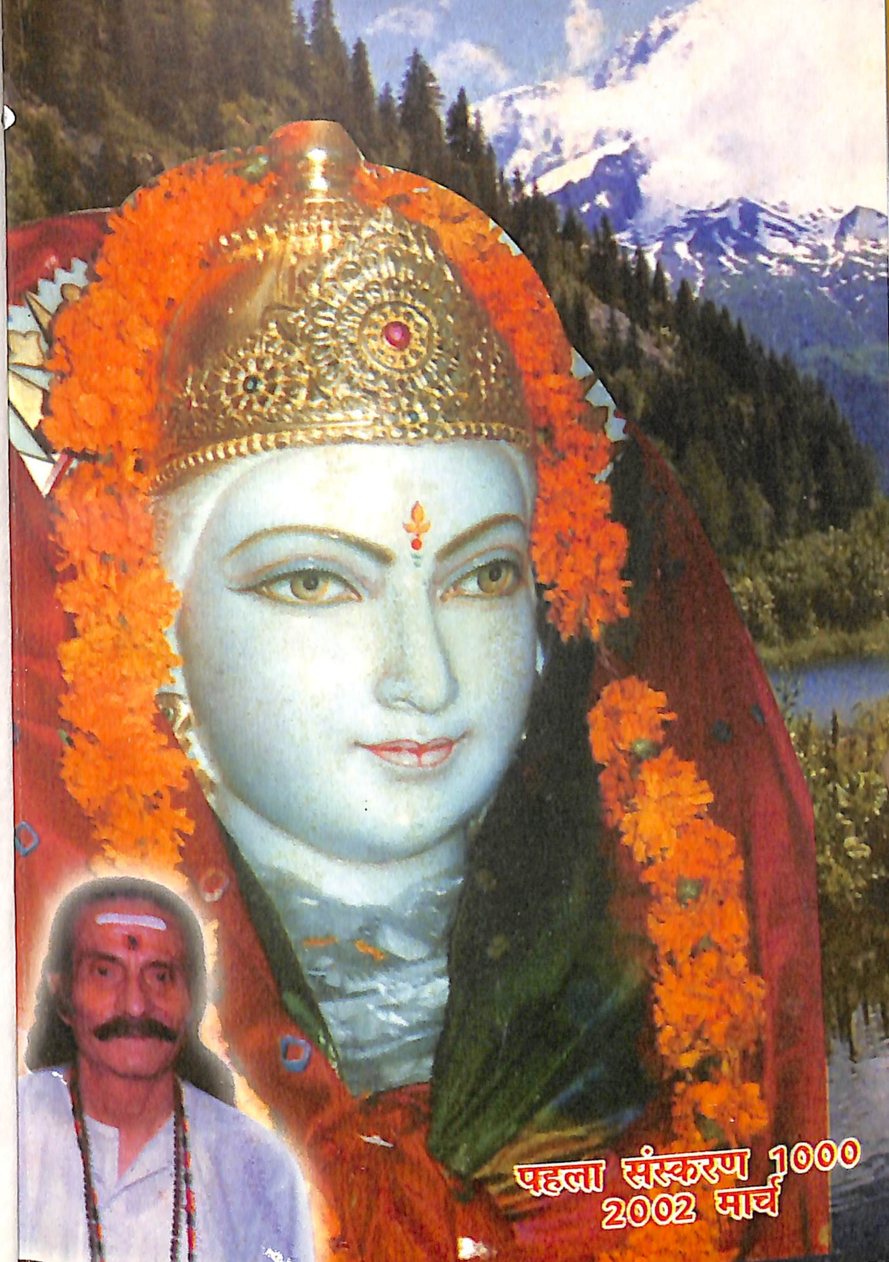
पहला संस्करण 1000
2002 मार्च

ॐ

उमा सहस्त्र नामावली

30/-

मूल्य : ~~101/-~~

संग्रहीत कर्त्ता

कृष्णा कौल

37/1, विवेक विहार, पलोडा जम्मू

दूरभाष : 531998

ॐ

उमा उषा च वैदेही

रमा गङ्गेति पञ्चकम्

पठेन्नित्यं स्मरेत्

वापि-घोरसङ्कट-नाशकम्

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

बलाद् यस्या एव भवति सुसमर्थः परशिवः विधातु सुस्वैरं सकल भवं कृत्यगनि नियतम, बिना यो हयमाविष्यज जड़ इव शिवोऽसौ गगनवद् उमा देवी सा नः शिवयतुं सदानुग्रहपरा।।

ध्यानम्

याऽसौ पर्वतराज पुण्यतनया मेनासुता या ह्युमा सुरसेनाधिपतेश्च या हि जननी लम्बोदराम्बा च या कश्मीरेषु सुभक्तरक्षणकरी या कोटहाडे स्थिताः श्री देव्यस्ति प्रतिष्टिता सुभवने जम्बूपुरे साधुना। कश्मीरमण्डले पुण्ये कोटहाडेस्थले पुरा, उमा देव्या शिवे तीर्थे ब्रारीआगंनग्रामके देव्या उमाया पूजार्थ मंन्दिर निर्मित पुरा, स्वयमानन्द मुनिना देव्या भक्तेन शोभनम् यदा तन्म्लेच्छ बाधा तो विनष्टं कलिलीलया तदा जम्बूपुरे रूपनगराख्ये स्थले नवम् निरमाद् मन्दिर श्रीमान् स्वयमानन्दसन्मुनिः।

–बलजिन्नाथ पण्डितः

ऊँ श्री गुरूवे नमः

अहं तस्या उमादेव्या ध्यानम करोमि या गंगाष्टम्यां विधीयमाने महायज्ञं स्वप्ने दर्शन प्रदाय मामुमानगरी गन्तु- मादिष्टवती।

मैं रातदिन महामाया उमा भगवती का चिन्तन करती हूँ, जिसने मुझे आजीवन अपनी भक्ति का वरदान प्रदान किया है।

मैं पूज्यपाद सद्गुरू स्वामी स्वयमानन्द महाराज (बब) की वन्दना करती हूं जिन्होनें मुझे माता उमादेवी का आर्शीवाद प्राप्त करने हेतु उनकी साधना का सन्मार्ग प्रदर्शित किया। जो जीवन भर पग पग पर मुझे भक्ति श्रद्धा, निष्ठा तथा भगवत्प्रेम को प्रेरणा देते रहे, मेरी प्रार्थना है कि पूज्यपाद की छत्रछाया में मेरे जीवन को अनमोल घडियां बीतें। उमा सहस्रनाम की इच्छा पूज्यपाद के मन में जागी तथा मुझे आदेश मिला कि इस स्तोत्र की रचना की जाये। मैंने स्वामी जी की आज्ञा शिरोधारि की तथा अपनी अल्प बुद्धि तथा शक्तिानुसार स्वामी जी के विचारों माता की महिमा तथा गुणों को शब्दों का रूप दिया। माता उमा

देवी के अनुग्रह, पूज्यपाद गुरूमहाराज के आर्शीवाद तथा आदरनीय एंव पूज्यनीय डा. पण्डित बलजिन्नाथ जी के पथ प्रदर्शन से "उमा सहस्रनाम स्तोत्र" की रचना कर सकी जिसके लिए मैं इन की आभारी हूं। "उमा सहस्रनाम" के विषय में मंगल कामना करती हूं कि कश्मीरी हिन्दु जाति के पुनरूत्थान के लिए सफलता, प्रसन्नता तथा सुख का कारण तथा साधन बन जाये ।

-कृष्णा कौल

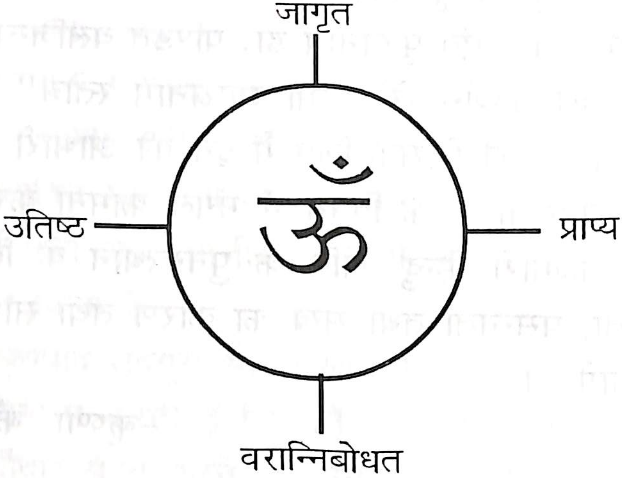

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महामाया माता उमा देवी की अपार कृपा का सौभाग्य मुझे शिशुावस्था मे ही प्राप्त हुआ उन्ही के अनुग्रह से मैं उनके दिव्यदर्शन का पात्र बन सका माता के आदेश तथा इच्छानुसार मैं उसके दिव्य तथा आर्कषक मन्दिर का निर्माण करने का सौभाग्य प्राप्त कर सका।

"उमा सहस्रनाम के निर्माण की इच्छा मन में जागी तो अपनी प्रिय शिष्या श्रीमती कृष्णा कौल को आदेश दिया माता उमादेवी के चमत्कारों, प्रशंसा, साधनाओं, महिमा तथा गुणों से इसको अवगत किया और इसने इन्हीं साधनाओं आदि को शब्दों का रूप दिया और "उमासहस्रनाम् स्तोत्र" का निर्माण हुआ मैं पण्डित बलजिन्नाथ जी का अत्यन्त आभारी हूं जिन्होनें इस स्तोत्र का व्याकरण तथा छन्द शास्त्र की दृष्टि से सस्कार किया।

उमा सहस्रनाम स्तोत्र अत्यन्त मनमोहक, प्रभावशाली, लाभदायक तथा सन्तोषजनक है जो कोई इस स्तोत्र का एकाग्रचित होकर नित्यनियमानुसार पाठ, श्रवण, कीर्तन या होम करेगा उसकी सारी अभिलाषायें सिद्ध होंगीं। भक्तिपूर्वक श्रद्धा से जो कोई इसका पाठ करेगा उनकी सारी आपदायें दूर होगी तथा पाप नष्ट होगें।

समस्त हिन्दू जाति के लिए यह स्तोत्र कल्याणकारी सिद्ध हो यह मेरी मंगल कामना हैं। उमा देवी को मेरा शतशः प्रणाम।

– स्वामी स्वयमानन्द जी

''उमा सहस्रनाम की चर्चा करते हुए स्वामी स्वयमानन्द जी प्रो. बलजिन्नाथ पंडिता के साथ।

प्रस्ताविका :

दुष्टानार्यकृताद घोरादुपद्रव विपदभरात्
स्वधर्मरक्षाहेत्वर्थत्यक्तकश्मीरमण्डलः ।।१।। देव्या उमाया
सद्भक्त स्वयमानन्दसाधक प्राचारयन्जगन्मातु पूजां जम्बूपुरे
पुनः ।।२।। मुट्ठीस्थले सुनिर्माय मन्दिर सुमनोरमम्
जलकुण्डसमायुक्तं शोभनं सुपरिष्कृतम् ।।३।। समस्तपूजा
सामग्रीयुतं पूजकसेवितम प्राचारयदुमा देव्याः पूजन
विधिपूर्वकम् ।।४।। पूजार्थ निरमाद् देव्यास्तंव नामसहस्रकम
प्राचारयच्च तद् भक्तया पाठ होम कृते स्वयम् ।।५।।
संस्कारमकरोत्रस्य मनाक् शास्त्रीयदृष्टितः पंडित बलिजन्नाथ
स्वयंमानन्द प्रेरिता ।।६।। आधन्तं वृच्यनुप्रास मधुरं
सुमनोरमम् चित्तैकाग्रयकंर श्रव्य भक्ति पीयूष सम्लुतम् ।।७।।
जम्बूपुरस्य पाश्रचात्यै मुठीति विश्रुते रूपनगरस्थले तिष्ठन्
स्वयमानन्द सन्मुनि ।।८।। उमा देव्या सुभक्तः सन
तत्कथाश्रावयनमुदा आसीाच्छिठय सभामध्ये तारकास्वि-
चन्द्रमां ।।९।। तत्र कृष्णाभिधा शिष्या देवी भक्तिपवित्रिता
गुरू सम्प्रार्थयामास वक्तुं नाम सहस्रकम उमा देव्या परं
पुण्यं सर्वसिद्धिप्रदं शिवम् ।।१०।।

कृष्णोवाचः

भगवन् परमानन्दस्वरूप मुनिसत्तम उमा देव्याः महाभक्त प्रार्थना पूरयस्व में ।।११।।

मुनिरूवाचः

प्रार्थना कास्ति ते देवि कः प्रश्न वद निर्भया यथा बुद्धि यथा शक्ति तोषयिष्यामि वः शिवे ।१२।।

कृष्णोवाचः

भगवन् सर्वदेवानाम स्तुति जातेषु सत्स्वापि उमा देव्या स्तवं नाम साहस्रं नैव लभ्यते।।१३।। कृपया ब्रूहि तन्नाथ उमा भक्तो यतोभवान् ।।१४।।

मुनिरूवाचः

श्रृणुदेवि जगन्मातुरूमा देव्या स्तवं परम नाम साहस्रकं पुण्प यज्जनैर्ज्ञायते न हि कलिकाले शिवं तं वै कथयामि तवाधुना।।१५।।

अस्यनाम सहस्रस्य पाठेन गिरिजा शिवा सन्तोष याति कुशल क्षेम चापि करोति सा।।१६।।

मूलमन्त्रः

ॐ अस्य श्री उमा भगवती मन्त्रस्य श्री भैरव ऋषि अनुष्टुपच्छन्दः श्री उमा भगवती देवता ह्रीं बीजं श्रीं शक्तिं

हूं कीलकं आत्मनो वागड़मन कायोपार्जित पाप निवारणार्थं सकलकामना सिद्यार्थे श्री उमा भगवती प्रीत्यर्थे जये विनियोगः

भैरव ऋषये नमः शिरसि।

अनुष्टुपच्छन्दसे नमो मुखे।

उमा-भगवती-देवतायै नमो हृदि।

ह्री-बीजाय नमो नाभौ।

श्रीं शक्त्ये नमो गुहये ।

हुँ कीलकाय नमः पादयो।

नमः सर्वांगेषु

ह्री अंगुष्ठाभ्यामं नमः।

श्रीं तर्जनीभ्यां नमः।

हुं मध्याम्याम नमः।

उमा अनामिकाभ्याम नमः।

भगवत्यै कनिष्ठिकाभ्यां नमः।

ह्रीं हृदयाय नमः।

श्रीं शिरसे स्वाहा।

हुं शिखाय वषट्।

उमा कवचाय हुं।

भगवत्यै नेत्रयों:- वौषट।

नमः अस्त्राय फट् (इतिन्यास)

प्राणायामः

ध्यानम्

सुधाकलश सप्पुष्पा मालाहस्ता सुशोभना आकाश मातरः कुर्यु वर्क्त्रं देवस्य सम्मुखम्।

गायत्री

ॐ ह्रीं उमा देव्यै विद्महे श्री महामायायै धीमहि हुं तन्न उमा प्रचोदयात् ।

मूल्मन्त्र

ॐ ह्रीं श्रीं हुं उमा भगवत्यै नमः। (१०८ बार) प्राणायाम पूर्णन्यासः तर्पणाम।

ध्यानम्

आनन्दसुन्दर पुरन्दर मुक्त माल्यं मौलौहटेन निहितं महिषासुरस्य पादाम्बुजं भवतु में विजाय मञ्जुं मञ्जीरशिञ्जित मनोहरम्बिकाया।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अम्बाज्जरा तथाव्यक्ता अजासामृतवर्षिणी।
अर्पणाऽकोपनादेवी याऽनेकासुरघातिनी ।।१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

आचार्या चाप्यमावस्या यानन्दाऽनन्तरूपिणी ।
अमृता चात्यनाधारा याऽजितासाखिलेश्वरी ।।२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अनादिनिधना आग्नेयी यारविन्दमुखी शिवा।
अनन्ता चान्नपूर्णा या अण्डमुण्डोपरिस्थिता।।३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अरागाऽहंकृति देवी रतिर्रागविवर्धिनी।
अघोराशाकरी देवी याष्टभैरवसेविता ।।४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

आत्मविद्या आत्मशक्ति यार्सत्यात्मप्रबोधिनी।
अप्रमेया ह्यनाक्रान्ता ह्यनघाऽकुंशधारिणी।।५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अन्तर्मुखसमाराध्यानेकवर्णाऽम्बिका शिवा।
आश्चर्यचरिता सत्शोभा याऽलक्ष्या यार्थसाधना ।।६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अर्धेन्दुशोभिता देवी याऽज्ञेयानेकरूपिणी।
अक्षमालाधरा देवी या सदैवपराजिता।।७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अग्रगण्या तथाचिन्त्या अन्नदाऽभयदायिनी।

अष्टादशभुजादेवी याऽजन्माऽसुरनाशिनी ।।८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अस्त्रशस्त्रमयीविद्या या अनेकास्त्रप्रहारिणी।
अपराधक्षमाकर्त्री अक्रूराम्बरवासिनी ।।६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

आनन्दकलिकादेवी अष्टसिद्धिप्रदायिनी।
अनन्तविक्रमा धीरा याष्टमुर्तिः कृपा-परा।।१०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

आबालगोपविदिता अब्याजकरूणामयी।
अज्ञानध्वान्तदलिनी ज्ञानालोकप्रदायिनी।।११।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अनेककोटिब्रह्माण्डजननी या आराध्यरूपिणी।
अकुंशदिप्रहरणाऽकुला या सदैवकुलपूजिता।।१२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अक्षक्रीडारतिर्देवी या ह्यथज्ञानविनाशिनी।
अश्वप्लुतिस्तृणुरूपा याऽमूर्तात्युत्तमाऽजिता।।१३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अष्टमी याऽमृतवपुर् यामृताहारदायिनी ।
आघूर्णारूणनेत्रा या आज्ञाचक्रान्तरालया।।१४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अमृताऽमृतदृष्टिर्या आहारपरिणामिनी।
आदिशक्त्यविनाशा आत्मदर्शनकारिणी।।१५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

अयोध्या हीश्वरी सेच्छा अमला आकाशरूपिणी।
इन्दिरेन्दुरिडा चैव याम्बुजाशीन्द्रवल्लभा।।१६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम्

लक्ष्मीवशीकरणचूर्ण सहोदराणि।
त्वत्पादपंकजरजांसि चिरं जयन्ति।।
यानिप्रणामिलितानि नृणां ललाटे।
लुम्पतिदैवलिखितानि दुरक्षराणि।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

इन्द्राणीपतिसद्भाव पूजितेशानवल्लभा।
इच्छा ज्ञानक्रियारूपा ह्रींकारा वरदायिनी।।१७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

उमा उषा तथोंकारा या सदोदयकीर्तिदा।
उपासनोद्यमाख्या सा योपचारपरोत्कटा।।१८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ऋतुः ऋतुप्रिया कर्त्री ऋतुयुक्ता ऋतूद्धरा।
ऋषिमाता च ऋग्वेदा ऋषिदेवनमस्कृता।।१६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

एकाक्षरा एकमात्रा एकनिष्ठैकवल्लभा।
एकाकारानेकवर्णा ऐन्द्री चैकादशी शिवा।।२०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ऐहिकामुष्मिकस्यापि दात्री चैकाररूपिणी।
एकाऽनेकामहेज्या च एकवर्णसमायुता।।२१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ओंकारस्था परादेवी औषधीरोगनाशिनी।
ओताप्रोता तथोंकारस्वरूपा सर्वरूपिणी।।२२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कामाख्या कामदादेवी कदम्बतरूवासिनी।
कविपूज्या च कविता सर्वकामप्रदायिनी।।२३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कमलेसस्थिता काली कौलिनी कौण्डली शिवा।
कदम्बकुसुमैस्तुष्टा कल्याणी करूणानिधि।।२४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कलावती कलालापा कला कादम्बरीप्रिया।

करूणारूपिणी कीर्ति कमलाक्षी कुमारिका।।२५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कामेश्वरी कामजननो कर्माकर्मफलप्रदा।

कुशला कामनाकारा कुरूकुला कुलेश्वरी।।२६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कुलकुण्डालया कान्ति कालिन्दी च कलानिधि।

कान्तिमयी कालहन्त्री कोशदा कामवन्दिता।।२७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कलात्मिका कलानाथा काव्यालापविनोदिनी।

क्लींकारा केवला कान्ता केलि कामकलात्मिका।।२८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कंलकरहिता कौला कामरूपनिवासिनी।

कान्तार्धविग्रहा काष्ठा कल्पनारहिता केषा।।२९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

करणं कारणं कर्त्ता काराबन्धविमोचिनी।

कामिनी कौशिकी क्रान्तिः किशोरी कुसुमप्रिया।।३०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कुरूक्षेत्रावनि काशी कांतिदा कुण्डलप्रिया।

कृष्णा कालुष्यरहिता कला या कलिनाशिनी।।३१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

किं किं दुःखं दनुजदलिनि क्षीयते न स्मृतायां।
का का कीर्ति कुलकमलिनि ख्यायते न स्तुतायाम।
का का सिद्धि सुरर्वनुते प्राप्यते नार्चितायाम।
कं कं योगं त्वये न चिनुते चित्तमालाम्बितायाम।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

काकरूपा कान्तिमती काशीपुरमहेश्वरी।
कुण्डासना कलारूपा काश्मीरपुरवासिनी।।३२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कामेशमहिषी काम्या कामेशी काकलीप्रिया।
कुमारगणनाथाम्बा काकिनीदामधारिणी।।३३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

काश्मीरजेनलिप्ताडगी मुदाकुमुदमालिनी।
कालचक्रभ्रमाऽभ्रान्ता कोशस्था कोशवर्धिनी।।३४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कुलवागीश्वरीकाली कालभूः कालवर्तिनी।
कौशम्बी कर्मनाशा च कालिन्दी कलवाहिनी।।३५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कर्पूरामोदनि:श्वासा कालीकह्लारधारिणी।
कपालकुण्डलादेवी कायस्था कायवर्जित।।३६।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

कलौकल्किप्रिया कौला कृत्तिवस्त्रा कृपालुका।
करालवदनाक्रूरा करालदशनानना।।३७।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

कुलविद्या च कीनाशी काश्मीरी कर्मकारिणी
कामबीजवती कौला कौमुदी सु कविप्रिया।।३८।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

कर्माकर्मविवर्जिता सा विचित्ररचनाकरी।
सम्पूर्णचन्द्रवदना काम्या कामवर्धिनी।।३६।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

कदली चैव कावेरी काञ्ची काली कवित्वदा।
कृपाढ्या क्रियारूपा करालास्येव केसरी।।४०।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

करिप्रिया कृष्णवर्णा करिक्रीडाकरी मुदा।
कलहसंगतिः कान्ता कर्मनिर्मूलकारिणी।।४१।।

ऊँ नमः उमा भगवत्यै

कर्पूरलेपना क्रीडा किराती कौशिकीनुता।

केतकी करिणीन्द्रा च कोटित्रयोशयाम्बिका।।४२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

कृतकौतुकमाड.गल्या कस्तूरी तिलकाञ्चिता।
कुलामृतैकरसिका कौलिनी कुलकुण्डला।।४३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

खटवाड.गधारिणीखटखा खगराजोपरिस्थिता।
खण्डाख्यानप्रदा ख्यातिः खेचरी खगनामिनी।।४४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

गंगा गणेशजननी गायत्री गोमती नदी।
गम्भीरा चैव गान्धारी गणनाथागर्तिगुहा।।४५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

गोविन्दगीता सा गाथा गुणत्रयविभाविनी।
गान्धर्वी गह्वरी गोत्रा गुरूमण्डलरूपिणी।।४६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

गुहावासा गुणवती गुरूरूपा गुरूप्रिया।
गिरिजा गुरूपुत्री च गुडान्नप्रीतमानसा।।४७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम्

अजानन्तो यान्ति क्षयमवशमन्योन्यकलहै-

रमोमायाग्रन्थौ तव परिलुठन्तः समयिनः
जगन्मातजन्मज्वरभयतमः कौमुदि! वयं
नमस्ते कुर्वाणाः शरणमुपयामो भगवतीम।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

गोदावरी गण्डकी च गजगा गायिकागति।
गणेवेत्री च गन्धवती गन्धप्रिया गरनाशिनी।।४८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

गणाम्बा धनरूपा च गिरीशा गहनागमा।
गुणानांचनिधि गुर्वी गजराजोपरिस्थिता।।४६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

घोररूपा घोरघोषा घोरदानवघातिनी।
धर्मदा घनदा घोरा घूर्णा घुर्घुरनादिनी।।५०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

घृणिमन्त्रमयी धनध्वनि घृताची घनवाहना।
घनछाया घनवेगा घृणिसन्तोषकारिणी।।५१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

चण्डिका चटुला चित्रा चर्चा सा चारूहासिनी।
चर्चिता चातुरी चिल्ला चित्रमाल्यविभूषिता।।५२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

चन्द्रानना चारूदती चञ्चला चारूचन्द्रिका ।
चूलिका चित्रवस्त्रान्ता चन्द्रहासा चर्तुभुजा ।।५३ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चकोरनयना चन्द्राभा चञ्चन्ती चिरचन्द्रिका ।
चकोरी चन्द्रचूडा च चिक्कना चूर्णकुन्तला ।।५४ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चौरनाशकरीदेवी चारूमध्या चरूप्रिया ।
चिदानन्दा चारूगति चर्तुवक्त्रमनोहरा ।।५५ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रमण्डलवासिनी ।
चारूचन्दनलिप्ताड.गी चतुरंगबलेश्चरी ।।५६ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चक्रवाक्ध्वनिश्चैव चक्रहस्ता चर्तुमुखी ।
चतुर्दशी सुचित्रा च चक्रकोण निवासिनी ।।५७ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चर्मण्वती चन्द्रभागा विचित्रा चण्डविक्रमा ।
चन्द्रकान्ति चोदयन्ती चण्डमुण्डवधोद्धरा ।।५८ ।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै

चैतन्यादिसमाराध्या चैतन्यकुसुमप्रिया ।

चर्तुवर्णमयीमूर्तिः चर्तुवर्णप्रपूजिता।।५९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

चक्रांगधारिणी चन्द्रा चारूचन्द्रकलाधरा।

चिदग्निकुण्डसम्भूता चतुर्वर्गफलप्रदा।।६०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

चतुःसमुद्ररशना चित्रमायाऽऽचिता चितिः।

चराचरगजन्नाथा चक्रराजनिकेतना।।६१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

चिच्छक्तिश्चेतनारूपा चन्दना चरूतर्पिता।

चन्द्रानना चन्द्रनिभा चिरण्टी चपला तथा।।६२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

शिवस्त्वं शक्तिस्त्वं त्वमसि समया त्वं समयिनी।

त्वमात्मा त्वं दीक्षा त्वमयमणिमादिगुर्णगणः।।

अविद्या त्वं विद्या त्वमसि निखलं त्वं किमपरं।

पृथकतत्वं त्वत्तों भगवति न वीक्षामह इमे।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

छन्दःसारा च छत्रेशी सुछत्राच्छादने रता।

छायाछत्रधरादेवी छत्रछायाकृतालया।।६३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जगज्जीवा जगद्‌बीजा जगतामुपकारिणी।
जगद्‌गर्भा जगन्माता जगत्त्रयहितैषिणी।।६४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जयश्री जयमाला च ज्येष्ठा ज्वालामुखी जया।
ज्वालिनी च बृहज्ज्वाला ज्योतिरूपा जिनेश्वरी।।६५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जाया जरायुणी जीवा जनयित्री जितेन्द्रिया।
जागृतिश्चैव ज्योत्सना जीर्णवस्त्रा जरायुता।।६६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जालन्धरधरादेवी जिनेन्द्रा जातरूपिणी।
जिह्वा च जानकी जेत्री साजन्मा जातिभेदिनी।।६७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जगन्मयी च जटिला जरामरणवर्जिता।
जगतप्रिया जगद्‌धात्री जलधारा जगतधरा।।६८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जगती जन्हूतनया जपलग्ना जपप्रिया।
जलदाजितक्रान्तिश्चर्ज्वलन्ती ज्वरदेवता।।६९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

जितक्रोधा जितामित्रा जप्या जयवादिनी।
जन्ममृत्यु-जरोत्तीर्णा जपापुष्पनिभाकृति।।७०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तपोनिष्ठा तपोयुक्ता तापसी च तपः प्रिया।
तीर्थस्थानप्रिया तीर्था सत्तीर्थफलदायिनी।।७१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तन्द्रा तन्वी तपःसिद्धि तपसांसिद्धिदायिनी।
तपस्विनी च तरूणी तारिणी च तिलोत्तमा।।७२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तुरीया तर्कविद्या सा तुष्टिदा पुष्टिदाऽक्षया।
तोतुला सा तपस्तुष्टा तृप्तिस्तेजस्वरूपिणी।।७३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तरूणादित्यपटली तत्वमर्थस्वरूपिणी।
तत्वाधिका तत्वमयी तेजःपुञ्जा च तैजसी।।७४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तत्वासना तत्वरूपा तपसैवतमोपहा।
तनुमध्या तपस्तथ्या तारा तत्पदलक्षिता।।७५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

तामसी च तमोयुक्ता तारामण्डलशोभिता।

त्रिपुराभैरवीशक्ति सा त्रिनेत्रा त्रिपदाश्रया।।७६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

त्रिपुरासुन्दरीत्रयक्षा त्रिशूलवरधारिणी।
त्रिपुष्करा च त्रिपुरा त्रिवर्गत्राणतत्परा।।७७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

पिता माता भ्राता सुहृदऽनुचरः सद्मगृहिणी।
वपुः पुत्रो मित्रं धनमपि यदा मां विजहति।।
तदा मेभिन्दाना सपंदि भयमाहान्धतमसां
महाज्योत्सने! मातर्भव करूणयासन्निधिकरी।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

त्रिकालज्ञा त्रिलिड़्गा च त्रिबीजा त्रिदशेश्वरी।
त्रिमुर्तिस्त्रिगुणातीता त्रयी त्रिभुवनेश्वरी।।७८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

दात्ती दयाकरी दक्षा दक्षजा दक्षपूजिता।
दक्षिणा दण्डनीतिश्च दयारम्भा दयावती।।७६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

दान्ता च दक्षिणामूर्ति दीक्षा दीप्ता च दुर्गमा।
सुदुर्गतिहरा दुर्गा सुदुर्गापन्निवारिणी।।८०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

दिवागर्तिदयामूर्तिः दीर्घनिद्रा च देविका।
दीर्घागां दीर्घकेशी च देशभाषा दयावती।।८१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

दुष्टदानवसंहत्री दुष्टम्लेच्छविनाशिनी।
दोलाक्रीडारतिःश्यामा दीप्तपावकसन्निभा।।८२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

दोला च द्वारिका दीप्ता दुःखदुःस्वप्ननाशिनी।
दुर्गस्था दुगहन्त्री च दुर्लभा दक्षवन्दिता।।८३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

धनदा धृतिदा धारा धर्मदा ध्यानशालिनी।
धान्यदात्री ध्यानवती धनधान्यविवर्धिनी।।८४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

धर्माधर्मसमुत्तीर्णा धर्मराजवरप्रदा।
धरणिधरा च धन्या च सुधीरा धर्मवादिनी।।८५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

धर्मक्षेत्रस्थिता धर्मया धर्मकार्यसमन्विता।
धराधरसुता ध्याता धनसम्पत्तिदायिनी।।८६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

नारायणी नित्यपूर्णा नृमान्या नृपनन्दिनी।
नृपमान्या नृपैः सेव्या नृपवश्यकरी शिवा।।८७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

नरवाहनापरादेवी नन्दिनी नर्मदाशिवा।
नारायणप्रियाधीरा नरमुण्डास्थिभूषणा।।८८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

नरेश्वरी च नवमी नवदुर्गागंधारिणी।
नागकन्या नागभूषा नरासृकपानमोदिनी।।८९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

नित्यनवा निराकारा निराधारा निरामया।
नृत्यगीतप्रिया नारी नूतना नववल्लभा।।९०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

निधानं नगरेशानी निधिरूपा निधिरूपा निराश्रया।
निर्विशेषा च र्निमुण्डा र्निविकारा निरञ्जना।।९१।।

ध्यानम्

विधे विध्ये वेद्ये विविधसमये वेदजननिः,
विचित्रे विश्वाद्ये विनयसुलभे वेदगुलिके,
शिवाज्ञे शीलस्थे शिवपदवान्ये शिवनिद्ये,
शिवे मातृमद्रय त्वयि वितर भक्तिं निरूपमाम्।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

निरालम्बा नित्यतृप्ता नित्ययौवनशालिनी।
नित्यं निर्गुणाकारा नित्यशान्ति परायणा।।६२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

निराबाधा च निर्लोभा निराशानाशिनी शिवा।
नित्यानन्दकरी नित्यं निर्विशेषा च निर्मला।।६३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

निरामयकरी देवी निर्भया नित्यशोभना।
नित्यसुपूजिता नित्या नित्यकल्याणकारिणी।।६४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

नारसिंही नीलवर्णा नीरोगा नलकुबरी।
निष्ठा च निरहंकरा र्निमोहा निखिलश्वरी।।६५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

निर्वाणरूपा नित्यमुक्ता नित्यबुध्दि निरन्तरा।
नित्यबुध्दिप्रदादेवी सा सर्वकर्मसाक्षिणी।।६६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

पार्वती पद्महस्ता च पद्मपाद पद्मलोचना।
पद्मासनस्थितादेवी पद्मपुष्पैःसुपूजिता।।६७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

पञ्चमी पुण्यदा पुण्या पुण्यश्रवणकीर्तिता।
पाशहस्ता पद्मनाभा पुण्यापुण्यफलप्रदा॥९८॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

परमाया पराकाष्ठा परधामनिवासिनी।
परानन्दा परप्रज्ञा पताका पञ्चमीप्रिया॥९९॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

प्रज्ञा प्रभावती प्रीतिः प्राणापानस्वरूपिनी।
प्राणदा प्राणपुष्टिश्च प्रीतिदा प्राणरूपिणी॥१००॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

बलिनी,बुद्धिदा बुद्धि बहुनेत्रा पराशिवा।
ब्रह्मानन्दप्रदा ब्राह्मी बृहती ब्रह्मरूपिणी॥१०१॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

बालिका बन्धुरूपा च बालक्रीडासनातनी।
बहुश्रुता बृहद्रूपा बन्धूककुसुमप्रिया॥१०२॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

बुद्धमाता च बृहद्बुद्धि बलिमाया बलप्रदा।
बन्धुर्बन्दिास्तुताकारा बलवत्यैकनायिका॥१०३॥

ॐ नमः उमा भगवत्यै

बलिपूज्या बृहत्सेना ब्रह्मानन्दा बृहद्बला।

बहिर्मूखे दुर्लभा च ब्रह्मात्मैकस्यसाक्षिणी ।।१०४ ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

भूतभव्या भविष्या च भक्तवात्सल्यशालिनी ।
भोगदा भक्तिगम्या भाः भूतभावविभाविनी ।।१०५ ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

भूतभीतिहरा भीमा भूतावेशविनाशिनी ।
भक्तेभ्यःसिद्धिदाऽभ्रान्ता भवरोगविनाशिनी ।।१०६ ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

कलां प्रज्ञां आध्यां समयम् अनुभूति समरसा
गुरू पारम्पर्य विनयमुपदेश शिवकथाम्
प्रणाम निर्वाण परममतिभूतिं परगुहाम
विधि विधामाहुः सकलजननीमेव मुनयः

ॐ नमः उमा भगवत्यै

भूतात्मा भोगिनी भद्रा भद्रदा भद्ररूपिणी ।
भक्तसौभाग्यदाऽभीरू भ्रामरी च भयापहा ।।१०७ ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

भयहाऽभयदा भीमा भवारण्यकुठारिका ।
सुभगा भोगदा भोग्यासहस्रभग भोगिनी ।।१०८ ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महामाया महाविद्या महादेवी महामतिः।
महाराज्ञी महासिद्धि महावीर्या महाभुजा।।१०९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महामन्त्रा महाशक्ति मतंगमुनिपूजिता।
महाबला महामाना महाभयविनाशिनी।।११०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महामाया महालक्ष्मी महाभेरवन्दिता।
महापातकसंर्हत्री महाभैरवपूजिता।।१११।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

मायावती ह्यप्रमेया महासंकटनाशिनी।
महाहृदा महागर्त्ता महात्रिपुरसुन्दरी।।११२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महास्मृति महामेधा महोघोपराक्रमा।
महानिद्रा महामोहा मूलाधारनिवासिनी।।११३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महादुर्गा महोत्साहा महाबीजा महारवा।
महामुद्रा महाबलि महाशुत्रविनाशिनी।।११४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

मनुविधा मृगीमध्या मृगत्वच मृगलोचना।
मुण्डहस्ता महाकाली मुक्ताहारविभूषणा।।११५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महासाम्राज्यदा शान्ता मुक्तानांपरमगतिः।
महायोगेश्वरी माया महिषासुरघातिनी।।११६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

मूलाधारा मृडाणी च मूलविग्रहरूपिणी।
मोक्षदा महिषी मैत्री मातृमण्डलवासिनी।।११७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महाकैलासनिलया च मुकुन्दा च मनोहरा।
महाकामेशमहिषी च महायोगक्रमोज्ज्वला।।११८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महेश्वरी महाकल्पा महाताण्डवसाक्षिणी।
मनुमाता महातन्त्रा मलयाचलवासिनी।।११९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महारूपा महापुण्पा महाभोगा महोत्सवा।
मनोबुद्धि महायन्त्रा महाकीर्ति महोज्ज्वला।।१२०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

मधुप्रीता मधुस्फीता मनोवाचामगोचरा।

मनोमयी महादीक्षा माधवी मदनाशिनी ।।१२१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम्

त्वं चन्द्रिका शशिनि तिग्मरूचौ रूचिस्त्वं।
त्वं चेतनासि पुरूषे पवने बलं त्वम्,
त्वं स्वादतासि सलिले शिखिनि त्वमूष्मा,
निः सारमेव निखिलं त्वदृते यदि स्यात्।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

महती मेरूनिलया मन्दारकुसुमप्रिया
मन्त्राणामशब्दसद्रूपा महामन्त्रस्वरूपिणी ।।१२२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

यशोरूपा यशोवती यशःप्रीर्तियशोधरा।
योगिनी योगमाया च योगज्ञा योगिपूजिता ।।१२३।।
यज्ञप्रिया यज्ञविद्या यज्ञविद्याप्रचारिणी।
यज्ञफलप्रदादेवी यजमानस्वरूपिणी ।।१२४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

योगयुक्ता योगगम्या याजिनी याजकप्रिया।
यत्तत्पदानुबन्धा च योगनिद्रा यशस्विनी ।।१२५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

रक्तदन्ता रक्तवर्णा रक्तपुष्पावतंसिनी।
राजरोश्वरी राज्ञी रमणी राजवल्लभा।।१२६।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
राजश्री राजरमणी राजमातास्वरूपिणी।
राकेन्द्रवदना रम्या रक्ताम्बरा रतिः।।१२७।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
लक्ष्मीः सा ललितादेवी लोलाक्षी लोलकुन्तला।
लोकेशी लोकसेव्या च लोकवश्यकरी सदा।।१२८।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
लेखिका चैव लेख्या लेखनी लेखकप्रिया।
लध्यप्राप्ति सुलथ्या च लोकवश्यविभाविनी।।१२९।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
वेदमाता च वेदज्ञा वेदविद्याप्रदायिनी।
वीरप्रिया वीरेशी वीरसू-वीरनन्दिनी।।१३०।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
वीरभूर विष्णुमाया च विमलानन्दवर्धिनी।
वाग्वादिनी सुविजया विंध्याचलनिवाहिनी।।१३१।।
ॐ नमः उमा भगवत्यै
वामाचारप्रियादेवी वरशस्त्रास्त्रधारिणी।

वामेश्वरी वीरेशी वीरभद्रा विशारदा ।।१३२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

विशाला विश्वमाला च विश्वेशी विश्वव्यापिनी।
वैद्या वैद्यचिकित्साच विश्वकर्माविभाविनी ।।१३३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

विशालाक्षी सुनयना वैष्णवी स विशालहृत।
वरशीला च वरदा वृन्दावननिवासिनी ।।१३४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

शक्तिः शक्तिधरादेवी शक्तियुक शक्तिदायिनी।
शुभदा शुभकर्त्री च शुभलाभप्रदायिनी ।।१३५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

शरभा शुभाननादेवी शूलिनी च शुभाशया।
शैवधि शरहस्ता च षोणा शाकम्चरी शिवा ।।१३६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

त्वां व्यापिनीति समना इति कुण्डलीति,
त्वां कामनीति कमलेति कलावतीति,
त्वां मालिनीति ललितेत्यपराजितेति,
देवि स्तुवन्ति विजयेति जयेत्युमेति ।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

श्मशाननिलयात्रयक्षा महाश्मशानसुन्दरी।
शांकरी भैरवी श्यामा शंकरार्धशरीरिणी।।१३७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

शिवाकान्ता शिवसक्ता शिवपत्नी शिवप्रिया।
शिवदूती शिवानन्दा शिवाराध्या शिवास्वंय।।१३८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

शारिका शिवरात्री च शुभ्राभा शुभलक्ष्णा।
शाम्भवी शश्वतः शान्ता शीतला शोकनाशिनी।।१३९।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

शिशूत्संगधरादोला शरत्कुमुदलोचना।
श्वेतरूपा शुभ्रवस्त्रा शशिवर्णा शतनाम्ना।।१४०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सुलभा श्यामलांगी शक्ति शोभना शुकभाषणा।
शिशूप्रिया शर्वरी सा शिवज्ञानप्रदायिनी।।१४१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

षटचक्रस्था च षटकोणा षणमार्गा षोडशीकला।
षटचक्रभदिनी शक्तिः षटचक्रक्रमवासिनी।।१४२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सरस्वती च सर्वेशी सर्वशक्तिमयी प्रभा।
सावित्री च सहस्राक्षी त्रिसन्ध्या सा सदातुष्टा।।१४३।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सत्यज्ञानवती सौम्या सामगानप्रिया सती।
सहस्रदलपद्मस्था सर्वापत्तिनिवारिणी।।१४४।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सर्वाबाधाप्रशमनी सर्वरोगविनाशिनी।
सर्वदेवमयीशक्ति सर्वशत्रुभयप्रदा।।१४५।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सर्वदुःखहराशिवा सर्वशापनिवारिणी।
सर्वपापहरीहृष्टा सर्वकष्टनिवारिणी।।१४६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

स्वर्गपवर्गदाददी सर्वसम्पतिदायिनी।
सर्वकामेषु सिद्धार्थी सर्वेश्वेर्य सर्वदा।।१४७।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सहस्रनाम्नी सवेर्शी सर्वशक्तिमयी शिवा।
सूर्यकान्तनिभा शुभ्रा सिद्धविद्या सनातनी।।१४८।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

सद्गतिःश्चैव सतकीर्ति सत्यमार्गप्रकाशिनी।

सुशीला सौभाग्यवती श्यामा सा सिन्दूरतिलकप्रिया।।१४६।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

स्वंयभू च सुरूपा च सेवाफलविवर्धिनी।

सुखदा स्वयमानन्दा स्वयमानन्ददायिनी।।१५०।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

हरिप्रिया च हंसस्थाहंसोज्ज्वल शिरोरूहा।

क्षमा क्षमाकरी देवी क्षान्तिःकैवल्यदायिनी।।१५१।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ज्ञानदा चैव ज्ञानेशी ज्ञानशक्ति समन्विता।

ज्ञानिनां ज्ञानरूपा च ज्ञानमुद्रा च ज्ञाविनी।।१५२।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ॐ ह्रीं श्रीं हुँ उमा भगवत्यै

अन्नपुर्णे सदापुर्णे शंकरप्राणवल्लभे।

ज्ञान वैराग्य सिद्धार्थ भिक्षाम देहि च पावति।।

माता-सयाद उमादेवी पितादेवो महेश्वरः

बांधवा शिवभक्तक्ष्च स्वदेशो भवनत्रयम।

उमासहस्रनामक स्तोत्र स्वयमानन्द भाषितम

भोगमोक्षप्रदं पुण्यं सर्वकष्टनिवारकम

कल्याणदं सुमधुरं सर्वसम्पत्तिकारकम

श्रव्यं गेयं शिवं श्रेष्ठ सर्वकामफलप्रदम
सुभोगमोक्षदं दिव्यं शिव भक्तमनोरमम
यः वठेद भक्तिनो नित्यं तस्मिन माता प्रसीददति।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

माया कुण्डलिनी क्रिया मधुमती काली कला मालिनी
मातंडगी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी।।
शक्तिः शंकरवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी भैरवी।
हींकारी त्रिपुरा परामरमयी माता कुमारी त्यसि।।

अथः नामावली

१. ॐ अम्बायै स्वाहा।
२. ॐ अजरायै स्वाहा।
३. ॐ अव्यक्तायै स्वाहा।
४. ॐ अजायै स्वाहा।
५. ॐ अमृतवर्षिण्यै स्वाहा।
६. ॐ अपर्णायै स्वाहा।
७. ॐ अकोपनायै (देव्यै) स्वाहा।
८. ॐ अनेकासुरघातिन्यै स्वाहा।
९. ॐ आचार्यायै स्वाहा।
१०. ॐ अमावस्यै स्वाहा।

११. ॐ आनन्दायै स्वाहा।
१२. ॐ अनन्तरूपिण्यै स्वाहा।
१३. ॐ अमृतायै स्वाहा।
१४. ॐ अनाधारायै स्वाहा।
१५. ॐ अजितायै स्वाहा।
१६. ॐ अखिलेश्वर्यै स्वाहा।
१७. ॐ अनादिनिधनायै स्वाहा।
१८. ॐ आग्नेय्यै स्वाहा।
१९. ॐ अरविन्दमुख्यै (शिवायै) स्वाहा।
२०. ॐ अनन्तायै स्वाहा।
२१. ॐ अन्नपूर्णायै स्वाहा।
२२. ॐ अण्डमुण्डोपरिस्थितायै स्वाहा।
२३. ॐ अरागायै स्वाहा।
२४. ॐ अहंकृत्यै (देव्यै) स्वाहा।
२५. ॐ रतिरागविवर्धिन्यै स्वाहा।
२६. ॐ अघोरायै स्वाहा।
२७. ॐ आशाकर्यै स्वाहा।
२८. ॐ अष्टभैरवसेवितायै स्वाहा।
२९. ॐ आत्मविद्यायै स्वाहा।

३०. ॐ आत्मशक्त्यै स्वाहा।
३१. ॐ सत्यात्मप्रबोधिन्यै स्वाहा।
३२. ॐ अप्रमेयायै स्वाहा।
३३. ॐ अनाक्रान्तायै स्वाहा।
३४. ॐ अनघायै स्वाहा।
३५. ॐ अंकुशधारिण्यै स्वाहा।
३६. ॐ अर्न्तमुखसमाराध्यायै स्वाहा।
३७. ॐ अनेकवर्णायै स्वाहा।
३८. ॐ अम्बिकायै स्वाहा।
३९. ॐ आश्चर्यचरितायै स्वाहा।
४०. ॐ सत्शोभायै स्वाहा।
४१. ॐ अलक्ष्यायै स्वाहा।
४२. ॐ अर्थसाधनायै स्वाहा।
४३. ॐ अर्धेन्दुशोभितायै स्वाहा।
४४. ॐ अज्ञेयायै स्वाहा।
४५. ॐ अनेकरूपिण्यै स्वाहा।
४६. ॐ अक्षमालाधरायै स्वाहा।
४७. ॐ सदैवापराजितायै स्वाहा।
४८. ॐ अग्रगण्यायै स्वाहा।

४६. ॐ अचिन्तयायै स्वाहा।
५०. ॐ अन्नदायै स्वाहा।
५१. ॐ अभयदायिन्यै स्वाहा।
५२. ॐ अष्टादशभुजायै स्वाहा।
५३. ॐ अजन्मायै स्वाहा।
५४. ॐ असुरनाशिन्यै स्वाहा।
५५. ॐ अस्त्रशस्त्रमय्यै (विद्यायै) स्वाहा।
५६. ॐ अनेकास्त्रप्रहारिण्यै स्वाहा।
५७. ॐ अपराधक्षमाकर्त्रै स्वाहा।
५८. ॐ अक्रूरायै स्वाहा।
५९. ॐ अम्बरवासिन्यै स्वाहा।
६०. ॐ आनन्दकलिकायै (देव्यै) स्वाहा।
६१. ॐ अष्टसिद्धिप्रदायिन्यै स्वाहा।
६२. ॐ अनन्तविक्रमायै (देव्यै) स्वाहा।
६३. ॐ अष्टमूर्त्यै (कृपापरायै) स्वाहा।
६४. ॐ आबालगोपविदितायै स्वाहा।
६५. ॐ अब्याजकरूणामय्यै स्वाहा।
६६. ॐ अज्ञानध्वान्तदलिन्यै स्वाहा।
६७. ॐ ज्ञानालोकप्रदायिन्यै स्वाहा।

६८. ॐ अनेककोटिब्रह्माण्डजनन्यै स्वाहा।

६९. ॐ आराध्यरूपिन्यै स्वाहा।

७०. ॐ अकुंशादिप्रहरणायै स्वाहा।

७१. ॐ अकुलायै स्वाहा।

७२. ॐ कुलपूजितायै स्वाहा।

७३. ॐ अक्षक्रीडारत्यै (देव्यै) स्वाहा।

७४. ॐ अज्ञानविनशिन्यै स्वाहा।

७५. ॐ अश्वप्लुतायै स्वाहा।

७६. ॐ अणुरूपायै स्वाहा।

७७. ॐ अमूर्त्तायै स्वाहा।

७८. ॐ उत्तमायै स्वाहा।

७९. ॐ अजितायै स्वाहा।

८०. ॐ अष्टम्यै स्वाहा।

८१. ॐ अमृतवपुषे स्वाहा।

८२. ॐ अमृताहारदायिन्यै स्वाहा।

८३. ॐ आघूर्णारूणनेत्रायै स्वाहा।

८४. ॐ आज्ञाचक्रान्तरालयायै स्वाहा।

८५. ॐ अमृतायै स्वाहा।

८६. ॐ अमृतदृष्टयै स्वाहा।

८७. ॐ आहापरिणामिन्यै स्वाहा।

८८. ॐ आदिशक्त्यै स्वाहा।

८९. ॐ अविनाशायै स्वाहा।

९०. ॐ आत्मदर्शनकारिण्यै स्वाहा।

९१. ॐ अयोध्यायै स्वाहा।

९२. ॐ ईश्वर्यै स्वाहा।

९३. ॐ सेच्छायै स्वाहा।

९४. ॐ अमलायै स्वाहा।

९५. ॐ आकाशरूपिण्यै स्वाहा।

९६. ॐ इन्द्रिायै स्वाहा।

९७. ॐ इन्दवे स्वाहा।

९८. ॐ इडायै स्वाहा।

९९. ॐ अम्बुजाश्यै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमसि, ज्योतिर्ऽसि ....

---

१००. इन्द्रवल्लभायै स्वाह

ध्यानम्

लक्ष्मीवशीकरणचूर्ण सहोदराणि।
त्वत्पादपंकजरजांसि चिरं जयन्ति।।

यानि प्रणाममिलितानि नृणां ललाटे।
लुम्पति दैवलिखितानि. दुरक्षराणि।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

१०१. ॐ इन्द्राणीपतिसद्भावपूजितायै स्वाहा।
१०२. ॐ ईशानवल्लभायै स्वाहा।
१०३. ॐ इच्छाज्ञानक्रियारूपायै स्वाहा।
१०४. ॐ ह्रींकारायै स्वाहा।
१०५. ॐ उमायै स्वाहा।
१०६. ॐ उषसे स्वाहा।
१०७. ॐ ॐकारायै स्वाहा।
१०८. ॐ सदोदयकीर्तिदायै स्वाहा।
१०९. ॐ उपासनायै स्वाहा।
११०. ॐ उद्भमाख्यायै स्वाहा।
१११. ॐ उपचारपरोत्कटायै स्वाहा।
११२. ॐ ऋतवे स्वाहा।
११३. ॐ ऋतुप्रियायै (र्कत्यै) स्वाहा।
११४. ॐ ऋतुयुक्तायै स्वाहा।
११५. ॐ ऋतुधरायै स्वाहा।
११६. ॐ ऋषिमात्रे स्वाहा।

११७. ॐ ऋग्वेदायै स्वाहा।
११८. ॐ ऋषिदेवनमस्कृतायै स्वाहा।
११९. ॐ एकाक्षरायै स्वाहा।
१२०. ॐ एकमात्रायै स्वाहा।
१२१. ॐ एकनिष्ठायै स्वाहा।
१२२. ॐ एकवल्लभायै स्वाहा।
१२३. ॐ एकाकारानेकवर्णायै स्वाहा।
१२४. ॐ ऐन्द्र्यै स्वाहा।
१२५. ॐ एकादश्यै (शिवायै) स्वाहा।
१२६. ॐ ऐहिकामुष्किदात्र्यै स्वाहा।
१२७. ॐ एकानेकायै स्वाहा।
१२८. ॐ महेज्यायै स्वाहा
१२९. ॐ एकवर्णसमायुतातै स्वाहा।
१३०. ॐ ओंकारस्थायै (परादेव्यै) स्वाहा।
१३१. ॐ औषध्यै (रोगनाशिन्यै) स्वाहा।
१३२. ॐ ओतप्रोतायै स्वाहा।
१३३. ॐ ओंकारस्वरूपायै स्वाहा।
१३४. ॐ सर्वरूपिण्यै स्वाहा।
१३५. ॐ कामाख्यायै स्वाहा।

१३६. ॐ कामदायै (देव्यै) स्वाहा।

१३७. ॐ कदम्बतरूवासिन्यै स्वाहा।

१३८. ॐ कविपूज्यायै स्वाहा।

१३९. ॐ कवितायै स्वाहा।

१४०. ॐ सर्वकामप्रदायिन्यै स्वाहा।

१४१. ॐ कमलेसंस्थितायै स्वाहा।

१४२. ॐ काल्यै स्वाहा।

१४३. ॐ कौलिन्यै स्वाहा

१४४. ॐ कौण्डल्यै (शिवायै) स्वाहा।

१४५. ॐ कदम्बकुसुमतुष्टायै स्वाहा।

१४६. ॐ कल्याण्यै स्वाहा।

१४७. ॐ करूणानिध्यै स्वाहा।

१४८. ॐ कलावत्यै स्वाहा।

१४९. ॐ कलालापायै स्वाहा।

१५०. ॐ कलायै स्वाहा।

१५१. ॐ कादम्बरीप्रियायै स्वाहा।

१५२. ॐ करूणारूपिण्यै स्वाहा।

१५३. ॐ कीर्त्यै स्वाहा।

१५४ ॐ कमलाक्ष्यै स्वाहा।

१५५. ॐ कुमारिकायै स्वाहा।
१५६. ॐ कामेश्वर्यै स्वाहा।
१५७. ॐ कामजनन्यै स्वाहा।
१५८. ॐ कर्माकर्मफलप्रदायै स्वाहा।
१५९. ॐ कुशलायै स्वाहा।
१६०. ॐ कामनाकारायै स्वाहा।
१६१. ॐ कुरूकुल्लायै स्वाहा।
१६२. ॐ कुलेश्वर्यै स्वाहा।
१६३. ॐ कुलकुण्डालयायै स्वाहा।
१६४. ॐ कान्त्यै स्वाहा।
१६५. ॐ कालिन्ध्यै स्वाहा।
१६६. ॐ कलानिधये स्वाहा।
१६७. ॐ कान्तिमत्यै स्वाहा।
१६८. ॐ कालहन्त्रयै स्वाहा।
१६९. ॐ कोशदायै स्वाहा।
१७०. ॐ कामवन्दितायै स्वाहा।
१७१. ॐ कलात्मिकायै स्वाहा।
१७२. ॐ कलानाथायै स्वाहा।
१७३. ॐ काव्यालापविनोदिन्यै स्वाहा।

१७४. ॐ क्लींकारायै स्वाहा।

१७५. ॐ केवलायै स्वाहा।

१७६. ॐ कान्तायै स्वाहा।

१७७. ॐ केलये स्वाहा।

१७८. ॐ कामकलात्मिकायै स्वाहा।

१७९. ॐ कलंकरहितायै स्वाहा।

१८०. ॐ कौलायै स्वाहा।

१८१. ॐ कामरूपनिवासिन्यै स्वाहा।

१८२. ॐ कान्तार्धविग्रहायै स्वाहा।

१८३. ॐ काष्ठायै स्वाहा।

१८४. ॐ कल्पनारहितायै स्वाहा।

१८५. ॐ केषायै स्वाहा।

१८६. ॐ करणरूपायै स्वाहा।

१८७. ॐ कारणायै स्वाहा।

१८८. ॐ कर्तृरूपायै स्वाहा।

१८६. ॐ काराबन्धविमोचिन्यै स्वाहा।

१८६. ॐ कामिन्यै स्वाहा।

१६०. ॐ कौशिक्यै स्वाहा।

१६१. ॐ क्रान्त्यै स्वाहा।

१९२. ॐ किशोर्यै स्वाहा।

१९३. ॐ कुसुमप्रियायै स्वाहा।

१९४. ॐ कुरूक्षेत्रावन्यै स्वाहा।

१९५. ॐ काश्यै स्वाहा।

१९६. ॐ कान्तिदायै (कुण्डलप्रियायें) स्वाहा।

१९७. ॐ कालुष्यरहितायै स्वाहा।

१९८. ॐ कृष्णायै स्वाहा।

१९९. ॐ कलायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिर्ऽसि............

२००. ॐ कलिनाशिन्यै स्वाहा।

ध्यानम्

किं किं दुःखं दनुजदलिनि क्षीयते न स्मृतायां।
का का कीर्तिः कुलकमलिनि ख्यायते न स्तुतायाम्।।
का का सिद्धिः सुरवरनुते प्राप्यते नार्चितायाम्।
कं कं योगं त्वयि न चिनुते चित्तमालाम्बितायाम्।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

२०१. ॐ काकरूपायै स्वाहा।

२०२. ॐ कान्तिमत्यै स्वाहा।

२०३. ॐ काशीपुरमहेश्वर्यै स्वाहा।

२०४. ॐ कुण्डासनायै स्वाहा।
२०५. ॐ कलारूपायै स्वाहा।
२०६. ॐ काश्मीरपुरवासिन्यै स्वाहा
२०७. ॐ कामेश्महिष्यै (काम्यायै) स्वाहा।
२०८. ॐ कामेश्यै स्वाहा।
२०९. ॐ काकलीप्रियायै स्वाहा।
२१०. ॐ कुमारगणनाथाम्बायै स्वाहा।
२११. ॐ काकिनीदामधारिण्यै स्वाहा।
२१२. ॐ काश्मीरजेनलिप्तांग्यै स्वाहा।
२१३. ॐ मुदाकुमुदमालिन्यै स्वाहा।
२१४. ॐ कालचक्रभ्रमायै (भ्रान्तायै) स्वाहा।
२१५. ॐ कोशस्थायै स्वाहा।
२१६. ॐ कोशवर्धिन्यै स्वाहा।
२१७. ॐ कुलवागीश्वयै (काल्यै) स्वाहा।
२१८. ॐ कालभुवे स्वाहा।
२१९. ॐ कालवर्तिन्यै स्वाहा।
२२०. ॐ कौशम्भ्यै स्वाहा।
२२१. ॐ कर्मनाशायै स्वाहा।
२२२. ॐ कालिन्दयै स्वाहा।

२२३. ॐ कालवाहिन्यै स्वाहा।
२२४. ॐ कर्पूरमोदनि:श्वासायै (काल्यै) स्वाहा।
२२५. ॐ कह्लारधारिण्यै स्वाहा।
२२६. ॐ कपालकुण्डलायै (देव्यै) स्वाहा।
२२७. ॐ कायस्थायै स्वाहा।
२२८. ॐ कायवर्जितायै स्वाहा।
२२९. ॐ कलौकल्किप्रियायै (कौलायै) स्वाहा।
२३०. ॐ कृतिवस्त्रायै स्वाहा।
२३१. ॐ कृपालुकायै स्वाहा।
२३२. ॐ करालवदनायै स्वाहा।
२३३. ॐ क्रूरायै स्वाहा।
२३४. ॐ करालादशनाननायै स्वाहा।
२३५. ॐ कौनाश्यै स्वाहा।
२३६. ॐ कुलविद्यायै स्वाहा।
२३७. ॐ कुलविद्यायै स्वाहा।
२३८. ॐ काश्मीर्यै स्वाहा।
२३९. ॐ कर्मकारिव्यै स्वाहा।
२४०. ॐ कामबीजवत्यै (कौलायै) स्वाहा।
२४१. ॐ कौमुद्र्च्यै स्वाहा।

२४२. ॐ कविप्रियायै स्वाहा।

२४३. ॐ कर्माकर्मवर्जितायै स्वाहा।

२४४. ॐ विचित्ररचनाकर्यै स्वाहा।

२४४. ॐ सम्पूर्णचन्द्रवदनायै स्वाहा।

२४५. ॐ काम्यायै स्वाहा।

२४७. ॐ कामवर्धिन्यै स्वाहा।

२४९. ॐ कदल्यै स्वाहा।

२५०. ॐ कावेर्यै स्वाहा।

२५१. ॐ काञ्च्यै (काल्यै) स्वाहा।

२५०. ॐ कवित्वदायै स्वाहा।

२५१. ॐ कृपाह्वयायै स्वाहा।

२५२. ॐ क्रियारूपायै स्वाहा।

२५३. ॐ करालास्यायै स्वाहा।

२५४. ॐ केसर्यै स्वाहा।

२५५. ॐ करिप्रियायै स्वाहा।

२५६. ॐ कृष्णवर्णायै स्वाहा।

२५७. ॐ करिक्रीडाकर्यै (मुदायै) स्वाहा।

२५८. ॐ कलहंसगत्यै (कान्तायै) स्वाहा।

२५९. ॐ कर्मनिर्मूलकारिण्यै स्वाहा।

२६०. ॐ कर्पूरलेपनायै स्वाहा।
२६१. ॐ क्रीडायै स्वाहा।
२६२. ॐ किरात्यै स्वाहा।
२६३. ॐ कौशिकीनुतायै स्वाहा।
२६४. ॐ केतक्यै स्वाहा।
२६५. ॐ करीन्द्रायै स्वाहा।
२६६. ॐ कोटित्रयशयाम्बिकायै स्वाहा।
२६७. ॐ कृतकौतुकमंगलयायै स्वाहा।
२६८. ॐ कस्तूरीतिलकाञ्चितायै स्वाहा।
२६९. ॐ कुलामृतैकरसिकायै स्वाहा।
२७०. ॐ कौलिन्यै स्वाहा।
२७१. ॐ कुलकुण्डलायै स्वाहा।
२७२. ॐ खट्वागंधारिण्यै स्वाहा।
२७३. ॐ खट्वायै स्वाहा।
२७४. ॐ खगराजोपरिस्थितायै स्वाहा।
२७५. ॐ खण्डाख्यानप्रदायै स्वाहा।
२७६. ॐ ख्यात्यै स्वाहा।
२७७. ॐ खेचर्यै स्वाहा।
२७८. ॐ खगगामिन्यै स्वाहा।

२७९. ॐ गंगायै स्वाहा।
२८०. ॐ गणेशजनन्यै स्वाहा।
२८१. ॐ गायत्रयै स्वाहा।
२८२. ॐ गोमती नद्यै स्वाहा।
२८३. ॐ गम्भीरायै स्वाहा।
२८४. ॐ गान्धार्यै स्वाहा।
२८५. ॐ गणनाथगतये स्वाहा।
२८६. ॐ गुहायै स्वाहा।
२८७. ॐ गोविन्दगीतायै स्वाहा।
२८८. ॐ गाथायै स्वाहा।
२८९. ॐ गुणत्रयविभाविन्यै स्वाहा।
२९०. ॐ गान्धर्व्यै स्वाहा।
२९१. ॐ गहर्व्यै स्वाहा।
२९२. ॐ गोत्रायै स्वाहा।
२९३. ॐ गुरूमण्डलरूपिण्यै स्वाहा।
२९४. ॐ गुहावासायै स्वाहा।
२९५. ॐ गुणवत्यै स्वाहा।
२९६. ॐ गुरूरूपायै स्वाहा।
२९७. ॐ गुरूप्रियायै स्वाहा।

२९८. ॐ गिरिजायै स्वाहा।

२९९. ॐ गुरूपुत्रयै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि..............

३००. ॐ गुडान्नप्रीतमानसायै स्वाह

ध्यानम

अजानन्तो यान्ति क्षयमवशमन्योन्यकलहै, रमी मायाग्रन्थौ
तव परिलुठन्तः समयिनः, जगन्मातर्जन्मज्वरभयतमः
कौमुदि वंय, नमस्ते कुर्वाणाः शरणमुपयामो भगवतीम्ः।

ॐ नमः उमा भगवत्यै।

३०१. ॐ गोदावर्यै स्वाहा।

३०२. ॐ गण्डक्यै स्वाहा।

३०३. ॐ गजगायै स्वाहा।

३०४. ॐ गायिकागत्यै स्वाहा।

३०५. ॐ गणवेत्रयै स्वाहा।

३०६. ॐ गन्धवत्यै स्वाहा।

३०७. ॐ गन्धप्रियायै स्वाहा।

३०८. ॐ गरनाशिन्यै स्वाहा।

३०९. ॐ गणाम्बायै स्वाहा।

३१०. ॐ घनरूपायै स्वाहा।

३११. ॐ गिरीशायै स्वाहा।

३१२. ॐ गहनागमायै स्वाहा।

३१३. ॐ गुणानांनिधये स्वाहा।

३१४. ॐ गुर्व्यै स्वाहा।

३१५. ॐ गजराजोपस्थितायै स्वाहा।

३१६. ॐ घोररूपायै स्वाहा।

३१७. ॐ घोरघोषायै स्वाहा।

३१८. ॐ घोरदानवघातिन्यै स्वाहा।

३१९. ॐ धर्मदायै स्वाहा।

३२०. ॐ घनदायै स्वाहा।

३२१. ॐ अघोरायै स्वाहा।

३२२. ॐ घूणार्यै स्वाहा।

३२३. ॐ घुर्घुरनादिन्यै स्वाहा।

३२४. ॐ घृणिमन्त्रमय्यै स्वाहा।

३२५. ॐ घनध्वन्यै स्वाहा।

३२६. ॐ घृताच्यै स्वाहा।

३२७. ॐ घनवाहनायै स्वाहा।

३२८. ॐ घनछायायै स्वाहा।

३२९. ॐ घनवेगायै स्वाहा।

३३०. ॐ घृणिसन्तोषकारिन्यै स्वाहा।

३३१. ॐ चण्डिकायै स्वाहा।

३३२. ॐ चटुलायै स्वाहा।

३३३. ॐ चित्रायै स्वाहा।

३३४. ॐ चर्चायै स्वाहा।

३३५. ॐ चारूहासिन्यै स्वाहा।

३३६. ॐ चर्चिताथै स्वाहा।

३३७. ॐ चातुर्यै स्वाहा।

३३८. ॐ चिल्लायै स्वाहा।

३३९. ॐ चित्तमाल्यविभूषितायै स्वाहा।

३४०. ॐ चन्द्राननायै स्वाहा।

३४१. ॐ चारूदत्यै स्वाहा।

३४२. ॐ चंचलायै स्वाहा।

३४३. ॐ चारूचन्द्रिकायै स्वाहा।

३४४. ॐ चूलिकायै स्वाहा।

३४५. ॐ चित्रवस्त्रान्तायै स्वाहा।

३४६. ॐ चन्द्रहासायै स्वाहा।

३४७. ॐ चतुर्भुजायै स्वाहा।

३४८. ॐ चकोरनयनायै स्वाहा।

३४९. ॐ चन्द्राभायै स्वाहा।

३५०. ॐ चञ्चन्त्यै स्वाहा।

३५१. ॐ चिरचन्द्रिकायै स्वाहा।

३५२. ॐ चकोर्यै स्वाहा।

३५३. ॐ चन्द्रचूडायै स्वाहा।

३५४. ॐ चिक्कनायै स्वाहा।

३५५. ॐ चूर्णकुन्तलायै स्वाहा।

३५६. ॐ चौरनाशकर्यै (देव्यै) स्वाहा।

३५७. ॐ चारूमध्यायै स्वाहा।

३५८. ॐ चरूप्रियायै स्वाहा।

३५९. ॐ चिदानन्दायै स्वाहा।

३६०. ॐ चारूगत्यै स्वाहा।

३६१. ॐ चतुर्वक्त्रमनोहरायै स्वाहा।

३६२. ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै स्वाहा।

३६३. ॐ चन्द्रमण्डलवासिन्यै स्वाहा।

३६४. ॐ चारूचन्दनलिप्ताङग्यै स्वाहा।

३६५. ॐ चतुरंगबलेश्वर्यै स्वाहा।

३६६. ॐ चक्रवाकध्वन्यै स्वाहा।

३६७. ॐ चक्रहस्तायै स्वाहा।

३६८. ॐ चर्तुमुख्यै स्वाहा।

३५६. ॐ चतुर्दश्यै स्वाहा।

३७०. ॐ सुचित्रायै स्वाहा।

३७१. ॐ चक्रकोणनिवासिन्यै स्वाहा।

३७२. ॐ चर्मण्वत्यै स्वाहा।

३७३. ॐ चन्द्रभागायै स्वाहा।

३७४. ॐ विचित्रायै स्वाहा।

३७५. ॐ चण्डविक्रमायै स्वाहा।

३७६. ॐ चन्द्रकान्त्यै स्वाहा।

३७७. ॐ उदयन्त्यै स्वाहा।

३७८. ॐ चण्डमुण्डक्ष्योद्धुरायै स्वाहा।

३७६. ॐ चैतन्याध्यसमाराध्यायै स्वाहा।

३८०. ॐ चैतन्यकुसुमप्रियायै स्वाहा।

३८१. ॐ चतुर्वर्णमय्यै मूर्त्यै स्वाहा।

३८२. ॐ चतुर्वर्णप्रपूजितायै स्वाहा।

३८३. ॐ चक्रांगधारिव्यै स्वाहा।

३८४. ॐ चारूचन्द्रकलाधरायै स्वाहा।

३८५. ॐ चिदाग्निकुण्डसम्भूतायै स्वाहा।

३८६. ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै स्वाहा।

३८७. ॐ चतुः समुद्ररशनायै स्वाहा।

३८८. ॐ चित्रमायायै स्वाहा।

३८९. ॐ आचितायै स्वाहा।

३९०. ॐ चित्यै स्वाहा।

३९१. ॐ चराचरजगन्नथायै स्वाहा।

३९२. ॐ चक्रराजनिकेतनायै स्वाहा।

३९३. ॐ चिच्छक्त्यै स्वाहा।

३९४. ॐ चेतनारूपायै स्वाहा।

३९५. ॐ चन्दनायै स्वाहा।

३९६. ॐ चरूतर्पितायै स्वाहा।

३९७. ॐ चन्द्राननायै स्वाहा।

३९८. ॐ चन्द्रनिभायै स्वाहा।

३९९. ॐ चिरण्टय्यै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमासि ज्योतिर्ऽसि ....

४००. ॐ चपलायै स्वाहा।

ध्यानम

शिवस्त्वं शक्तिस्त्वं त्वमसि समया त्वम् समयिनी
त्वमात्मा त्वं दीक्षा त्वमयमणिमादिगुर्णगणः।।

अविद्या त्वं विद्या त्वमसि निखलं त्वं किमपरं।
पृथकतत्वं त्वत्तों भगवति न वीक्षामह इमे।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

४०१. ॐ छन्द:सारायै स्वाहा।
४०२. ॐ छत्रेश्यै स्वाहा।
४०३. ॐ सुछत्रायै स्वाहा।
४०४. ॐ छादनेरतायै स्वाहा।
४०५. ॐ छायाछत्रधरायै देव्यै स्वाहा।
४०६. ॐ छत्रछायाकृतालयायै स्वाहा।
४०७. ॐ जगज्जीवायै स्वाहा।
४०८. ॐ जगद्बीजायै स्वाहा।
४०९. ॐ जगतामुपकारिण्यै स्वाहा।
४१०. ॐ जगद्गर्भायै स्वाहा।
४११. ॐ जगन्मात्रे स्वाहा।
४१२. ॐ जगत्त्रयहितैषिण्यै स्वाहा।
४१३. ॐ जयश्रियै स्वाहा।
४१४. ॐ जयमालायै स्वाहा।
४१५. ॐ ज्येष्ठायै स्वाहा।
४१६. ॐ ज्वालामुख्यै स्वाहा।

४१७. ॐ जयायै स्वाहा।

४१८. ॐ ज्वालिन्यै स्वाहा।

४१९. ॐ बृहद्ज्वालायै स्वाहा।

४२०. ॐ ज्योतीरूपायै स्वाहा।

४२१. ॐ जिनेश्वर्यै स्वाहा।

४२२. ॐ जायायै स्वाहा।

४२३. ॐ जरायुण्यै स्वाहा।

४२४. ॐ जीवायै स्वाहा।

४२५. ॐ जनयित्रयै स्वाहा।

४२६. ॐ जितेन्द्रियायै स्वाहा।

४२७. ॐ जागृत्यै स्वाहा।

४२८. ॐ ज्योत्सनायै स्वाहा।

४२९. ॐ जीर्णवस्त्रायै स्वाहा।

४३०. ॐ जरायुतायै स्वाहा।

४३१. ॐ जालन्धरधरायै स्वाहा।

४३२. ॐ जिनेन्द्रायै स्वाहा।

४३३. ॐ जातरूपिण्यै स्वाहा।

४३४. ॐ जिह्वायै (जानक्यै) स्वाहा।

४३५. ॐ जेत्रयै स्वाहा।

४३६. ॐ अजन्मायै स्वाहा।

४३७. ॐ जातिभेदिन्यै स्वाहा।

४३८. ॐ जगन्मय्यै स्वाहा।

४३९. ॐ जटिलायै स्वाहा।

४४०. ॐ जरामरणवर्जितायै स्वाहा।

४४१. ॐ जगत्प्रियायै स्वाहा।

४४२. ॐ जगद्‌धात्रयै (जलधारायै) स्वाहा।

४४३. ॐ जगदधरायै स्वाहा।

४४४. ॐ जगत्यै स्वाहा।

४४५. ॐ जिह्‌तनयायै स्वाहा।

४४६. ॐ जपलग्नायै स्वाहा।

४४७. ॐ जपप्रियायै स्वाहा।

४४८. ॐ जलदायै स्वाहा।

४४९. ॐ जितक्रान्त्यै स्वाहा।

४५०. ॐ ज्वलन्त्यै स्वाहा।

४५१. ॐ ज्वरदेवतायै स्वाहा।

४५२. ॐ जितक्रोधायै स्वाहा।

४५३. ॐ जितामित्रायै स्वाहा।

४५४. ॐ जप्यायै स्वाहा।

४५५. ॐ जयवादिन्यै स्वाहा।

४५६. ॐ जन्ममृत्युजरोत्तोणायै स्वाहा।

४५७. ॐ जपापुष्पनिभाकृत्यै स्वाहा।

४५८. ॐ तपोनिष्ठायै स्वाहा।

४५९. ॐ तपोयुक्तायै स्वाहा।

४६०. ॐ तापस्यै स्वाहा।

४६१. ॐ तपःप्रियायै स्वाहा।

४६२. ॐ तीर्थस्थानप्रियायै स्वाहा।

४६३. ॐ तीर्थायै स्वाहा।

४६४. ॐ सत्तीर्थफलदायिन्यै स्वाहा।

४६५. ॐ तन्द्रायै (जण्यै) स्वाहा।

४६६. ॐ तपःसिद्धये स्वाहा।

४६७. ॐ तपसांसिद्धिदायिन्यै स्वाहा।

४६८. ॐ तपस्विन्यै स्वाहा।

४६९. ॐ तरूण्यै स्वाहा।

४७०. ॐ तारिण्यै स्वाहा।

४७१. ॐ तिलोत्तमायै स्वाहा।

४७२. ॐ तुरीयायै स्वाहा।

४७३. ॐ तर्कविद्यायै स्वाहा।

४७४. ॐ तुष्टिपुष्टिदायै (अक्षयायै) स्वाहा।
४७५. ॐ तोतुलायै स्वाहा।
४७६. ॐ तपस्तुष्टायै स्वाहा।
४७७. ॐ तृत्यै स्वाहा।
४७८. ॐ तेजःस्वरूपिण्यै स्वाहा।
४७९. ॐ तरूणादित्यपटलायै स्वाहा।
४८०. तत्वार्थस्वरूपिण्यै स्वाहा।
४८१. ॐ तत्वधिकायै स्वाहा।
४८२. ॐ तत्वमय्यै स्वाहा।
४८३. ॐ तेजः पञ्जायै स्वाहा।
४८४. ॐ तेजस्यै स्वाहा।
४८५. ॐ तत्वासनायै स्वाहा।
४८६. ॐ तत्वरूपायै स्वाहा।
४८७. ॐ तपस्यै (तमोपहायै) स्वाहा।
४८८. ॐ तनुमध्यायै स्वाहा।
४८९. ॐ तपस्तथ्यायै (तारायै) स्वाहा।
४९०. ॐ तत्पदलक्षितायै स्वाहा।
४९१. ॐ तामसी (तमोयुक्तायै) स्वाहा।
४९२. ॐ तारामण्डलशोभितायै स्वाहा।

४६३. ॐ त्रिपुरभैरवीशक्त्ये स्वाहा।

४६४. ॐ त्रिनेत्रायै स्वाहा।

४६५. ॐ त्रिपदाश्रयायै स्वाहा।

४६६. ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै (धर्मरव्यै) स्वाहा।

४६७. ॐ त्रिशूलवरदायिन्यै स्वाहा।

४६८. ॐ त्रिपुष्करायै स्वाहा।

५६६. ॐ त्रिपुरायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिर्ऽसि ....

५००. ॐ त्रिवर्गत्राणतत्परायै स्व

ध्यानम

पिता माता भ्राता सुहृदऽनुचरः सद्मगृहिणी वपुः पुत्रो मित्रं धनमपि यदा मां विजहति तदा मेभिन्दाना सपदि भयमाहान्धतमसां महा-ज्योत्स्ने! मातभर्व-करूणयासन्निधिकरी ।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

५०१. ॐ त्रिकालज्ञायै स्वाहा।

५०२. ॐ त्रिलिंगायै स्वाहा।

५०३. ॐ त्रिबीजायै स्वाहा।

५०४. ॐ त्रिदशेश्वर्यै स्वाहा।

५०५. ॐ त्रिमूर्त्यै स्वाहा।
५०६. ॐ त्रिगुणातीतायै स्वाहा।
५०७. ॐ त्रय्यै स्वाहा।
५०८. ॐ त्रिभुवनेश्वर्यै स्वाहा।
५०९. ॐ दात्रयै स्वाहा।
५१०. ॐ दयाकर्यै स्वाहा।
५११. ॐ दक्षायै स्वाहा।
५१२. ॐ दक्षजायै स्वाहा।
५१३. ॐ दक्षपूजितायै स्वाहा।
५१४. ॐ दक्षिणायै स्वाहा।
५१५. ॐ दण्डनीत्यै स्वाहा।
५१६. ॐ दयारम्भायै स्वाहा।
५१७. ॐ दयावत्यै स्वाहा।
५१८. ॐ दान्तायै स्वाहा।
५१९. ॐ दक्षिणामूर्त्यै स्वाहा।
५२०. ॐ दीक्षायै स्वाहा।
५२१. ॐ दीप्तायै स्वाहा।
५२२. ॐ दुर्गमायै स्वाहा।
५२३. ॐ सुदुर्गतिहरायै स्वाहा।

५२४. ॐ दुर्गायै स्वाहा।
५२५ ॐ सुदुर्गपन्निवारिण्यै स्वाहा।
५२६. ॐ दिवागत्यै स्वाहा।
५२७. ॐ दयार्मूतयै स्वाहा।
५२८. ॐ दीर्घनिद्रायै स्वाहा।
५२९. ॐ देविकायै स्वाहा।
५३०. ॐ दीर्घांगायै स्वाहा।
५३१. ॐ दीर्घकेश्यै स्वाहा।
५३२. ॐ देशभाषांयै स्वाहा।
५३३. ॐ देवभाषायै स्वाहा।
५३४. ॐ दुष्टदानवसहंत्रयै स्वाहा।
५३५. ॐ दुष्टम्लेच्छविनाशिन्यै स्वाहा।
५३६. ॐ दोलाक्रीडारतये (श्यामायै) स्वाहा।
५३७. ॐ दीप्तपोवकसन्निभायै स्वाहा।
५३८. ॐ दोलायै स्वाहा।
५३९. ॐ द्वारिकायै स्वाहा।
५४०. ॐ दीप्त्यै स्वाहा।
५४१. ॐ दुःखदुःस्वंप्ननाशिन्यै स्वाहा।
५४२. ॐ दुर्गस्थायै स्वाहा।

५४३. ॐ दुर्गहन्त्रयै स्वाहा।

५४४. ॐ दुर्लभायै स्वाहा।

५४५. ॐ दक्षवन्दितायै स्वाहा।

५४६. ॐ धनदायै स्वाहा।

५४७. ॐ धृतिदायै स्वाहा।

५४८. ॐ धारायै स्वाहा।

५४९. ॐ धर्मदायै स्वाहा।

५५०. ॐ ध्यानशालिन्यै स्वाहा।

५५१. ॐ धान्यधात्रयै स्वाहा।

५५२. ॐ ध्यानवत्यै स्वाहा।

५५३. ॐ धनधान्यविवर्धिन्यै स्वाहा।

५५४. ॐ धर्माधर्मसमुत्तीर्णायै स्वाहा।

५५५. ॐ धर्मराजवरप्रदायै स्वाहा।

५५६. ॐ धरण्यै स्वाहा।

५५७. ॐ धरायै स्वाहा।

५५८. ॐ धन्यायै स्वाहा।

५५९. ॐ सुधीरायै स्वाहा।

५६०. ॐ धर्मवादिन्यै स्वाहा।

५६१. ॐ धर्मक्षेत्रस्थितायै स्वाहा।

५६२. ॐ धर्मयायै स्वाहा।
५६३. ॐ धर्मकार्यसमन्वितायै स्वाहा।
५६४. ॐ धराधरसुतायै स्वाहा।
५६५. ॐ ध्यातायै स्वाहा।
५६६. ॐ धनसम्पतिदायिन्यै स्वाहा।
५६७. ॐ नारायण्यै स्वाहा।
५६८. ॐ नित्यपूर्णायै स्वाहा।
५६९. ॐ नृमान्यायै स्वाहा।
५७०. ॐ नृपनन्दिण्यै स्वाहा।
५७१. ॐ नृपमान्यायै स्वाहा।
५७२. ॐ नृपैसेव्यायै स्वाहा।
५७३. ॐ नृपवश्कर्यै (शिवायै) स्वाहा।
५७४. ॐ नरवाहनायै (परादेव्यै) स्वाहा।
५७५. ॐ नन्दिन्यै स्वाहा।
५७६. ॐ नर्मदायै स्वाहा।
५७७. ॐ नारायणप्रियायै स्वाहा।
५७८. ॐ नरमुण्डास्थिभूषितायै स्वाहा।
५७९. ॐ नरेश्वर्यै स्वाहा।
५८०. ॐ नवम्यै स्वाहा।

५८१. ॐ नवदुर्गागंधारिण्यै स्वाहा।

५८२. ॐ नागकन्यायै स्वाहा।

५८३. ॐ नागभूषायै स्वाहा।

५८४. ॐ नरासृक्पानमोदिन्यै स्वाहा।

५८५. ॐ नित्यनवायै स्वाहा।

५८६. ॐ निराकारायै स्वाहा।

५८७. ॐ निराधारायै स्वाहा।

५८८. ॐ निरामय्यै स्वाहा।

५८९. ॐ नृत्यगीतप्रियायै स्वाहा।

५९०. ॐ नार्यै स्वाहा।

५९१. ॐ नूतनायै स्वाहा।

५९२. ॐ नववल्लभायै स्वाहा।

५९३. ॐ निधानायै

५९४. ॐ नगरेशान्यै स्वाहा।

५९५. ॐ निधिरूपायै स्वाहा।

५९६. ॐ निराश्रयायै स्वाहा।

५९७. ॐ निर्विशेषायै स्वाहा।

५९८. ॐ निर्मुण्डायै स्वाहा।

५९९. ॐ र्निविकारायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि ....

६००. ॐ निरंजनायै स्वाहा।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम्

विधे विधे वेद्ये विविधसमये वेदजननि
विचित्रे। विश्वायै। विनयसुलभे। वेदगुलिके
शिवाज्ञे। शीलस्थे शिवपदवदान्ये शिवनिद्ये।
शिवे मातर्मह्यं त्वयि वितर भक्ति निरूपमाम्।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

६०१. ॐ निरालम्बायै स्वाहा।
६०२. ॐ नित्यतृप्तायै स्वाहा।
६०३. ॐ नित्ययौवनशालिन्यै स्वाहा।
६०४. ॐ नित्यनिर्गुणाकारायै स्वाहा।
६०५. ॐ नित्यशन्तिपरायणायै स्वाहा।
६०६. ॐ निराबाधायै स्वाहा।
६०७. ॐ निर्लोभायै स्वाहा।
६०८. ॐ निराशानाशिन्यै (शिवायै) स्वाहा।
६०९. ॐ नित्यानन्दकर्यै स्वाहा।
६१०. ॐ नित्यंनिर्विशेषायै स्वाहा।

६११. ॐ निर्मलायै स्वाहा।

६१२. ॐ निरामयकर्यै (देव्यै) स्वाहा।

६१३. ॐ निर्भयायै स्वाहा।

६१४. ॐ नित्यशोभनायै स्वाहा।

६१५. ॐ नित्यसुपूजितायै स्वाहा।

६१६. ॐ नित्यायै स्वाहा।

६१७. ॐ नित्यकल्याणकारिन्यै स्वाहा।

६१८. ॐ नारसिंहय्यै स्वाहा।

६१९. ॐ नीलर्वणायै स्वाहा।

६२०. ॐ नीरोगायै स्वाहा।

६२१. ॐ नलकूबर्यै स्वाहा।

६२२. ॐ निष्ठायै स्वाहा।

६२३. ॐ निरहंकारायै स्वाहा।

६२४. ॐ निर्मोहायै स्वाहा।

६२५. ॐ निखिलेश्वर्यै स्वाहा।

६२६. ॐ र्निवाणरूपायै स्वाहा।

६२७. ॐ नित्यमुक्तायै स्वाहा।

६२८. ॐ नित्यबुद्धयै स्वाहा।

६२९. ॐ निरन्तरायै स्वाहा।

६३०. ॐ नित्यबुद्धिप्रदायै स्वाहा।

६३१. ॐ सर्वकर्मसाक्षिण्यै स्वाहा।

६३२. ॐ पार्वत्यै स्वाहा।

६३३. ॐ पद्महस्तायै स्वाहा।

६३४. ॐ पद्मपादायै स्वाहा।

६३५. ॐ पद्मलोचनायै स्वाहा।

६३६. ॐ पद्मपुष्पसुपूजितायै स्वाहा।

६३७. ॐ पद्मासनस्थितायै (देव्यै) स्वाहा।

६३८. ॐ पंचम्यै स्वाहा।

६३९. ॐ पुण्यदायै स्वाहा।

६४०. ॐ पुण्यायै स्वाहा।

६४१. ॐ पुण्यश्रवणकीर्तियै स्वाहा।

६४२. ॐ पाशहस्तायै स्वाहा।

६४३. ॐ पद्मनाभायै स्वाहा।

६४४. ॐ पुण्यापुण्यफलप्रदायै स्वाहा।

६४५. ॐ परमायायै स्वाहा।

६४६. ॐ पराकाष्ठायै स्वाहा।

६४७. ॐ परधामनिवासिन्यै स्वाहा।

६४८. ॐ परानन्दायै स्वाहा।

६४६. ॐ परप्रज्ञायै स्वाहा।

६५०. ॐ पताकायै स्वाहा।

६५१. ॐ पंञ्चमीप्रियायै स्वाहा।

६५२. ॐ प्रज्ञायै स्वाहा।

६५३. ॐ प्रभावत्यै स्वाहा।

६५४. ॐ प्रीतये स्वाहा।

६५५. ॐ प्राणापानस्वरूपिण्यै स्वाहा।

६५६. ॐ प्राणदायै स्वाहा।

६५७. ॐ प्राणपुष्टयै स्वाहा।

६५८. ॐ प्रीतिदायै स्वाहा।

६५९. ॐ प्राणरूपिण्यै स्वाहा।

६६०. ॐ बलिन्यै स्वाहा।

६६१. ॐ बुद्धिदायै स्वाहा।

६६२. ॐ बुद्धय्यै स्वाहा।

६६३. ॐ बहुनेत्रायै (पराशिवायै) स्वाहा।

६६४. ॐ ब्रह्मानन्दप्रदायै स्वाहा।

६६५. ॐ ब्राह्मयै स्वाहा।

६६६. ॐ बृहत्यै स्वाहा।

६६७. ॐ ब्रह्मरूपिण्यै स्वाहा।

६६८. ॐ बालिकायै स्वाहा।
६६९. ॐ बन्धुरूपायै स्वाहा।
६७०. ॐ बालक्रीडायै स्वाहा।
६७१. ॐ सनातत्यै स्वाहा।
६७२. ॐ बहुश्रुतायै स्वाहा।
६७३. ॐ बृहद्रूपायै स्वाहा।
६७४. ॐ बन्धूककुसुमप्रियायै स्वाहा।
६७५. ॐ बुद्धमात्रे स्वाहा।
६७६. ॐ बृहद्बुद्धये स्वाहा।
६७७. ॐ बलिमायायै स्वाहा।
६७८. ॐ बलप्रदायै स्वाहा।
६७९. ॐ बन्धवे स्वाहा।
६८०. ॐ बन्दिस्तुताकारायै स्वाहा।
६८१. ॐ बलवत्यै (एकनायिकायै) स्वाहा
६८२. ॐ बलिपूज्यायै स्वाहा।
६८३. ॐ बृहतसेनायै स्वाहा।
६८४. ॐ ब्रह्मानन्दायै स्वाहा।
६८५. ॐ बृहद्बलायै स्वाहा।
६८६. ॐ बहिर्मुखैर्दुर्लभायै स्वाहा।

६८७. ॐ ब्रह्मात्मैक्यसाक्षिण्यै स्वाहा।

६८८. ॐ भूतायै स्वाहा।

६८९. ॐ भव्यायै स्वाहा।

६९०. ॐ भविष्यायै स्वाहा।

६९१. ॐ भक्तवात्सल्यशालिन्यै स्वाहा।

६९२. ॐ भोगदायै स्वाहा।

६९३. ॐ भक्तिगम्यायै (भासे) स्वाहा।

६९४. ॐ भूतभावविभाविन्यै स्वाहा।

६९५. ॐ भूतभीतिहरायै स्वाहा।

६९६. ॐ भीमायै स्वाहा।

६९७. ॐ भूतावेशविनाशिन्यै स्वाहा।

६९८. ॐ भक्तेभ्यः सिद्धिदायै स्वाहा।

६९९. ॐ अभ्रान्तायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि ....

---

७००. ॐ भवरोगविनाशिन्यै स्वाहा।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम

कलां प्रज्ञां आधां समयम् अनुभूतिं समरसां
गुरूं पारम्पर्यं विनयमुपदेशं शिवकथाम्

प्रणाम निर्वाण परममतिभूतिं परगुहाम्।
विधिं विद्यामाहुः सकल जननीमेव मुनयः

ॐ नमः उमा भगवत्यै

७०१. ॐ भूतात्मने स्वाहा।
७०२. ॐ भोगिन्यै स्वाहा।
७०३. ॐ भद्रायै स्वाहा।
७०४. ॐ भद्रदायै स्वाहा।
७०५. ॐ भद्ररूपिण्यै स्वाहा।
७०६. ॐ भक्तसौभाग्यदायिन्यै स्वाहा।
७०७. ॐ अभीरवे स्वाहा।
७०८. ॐ भ्रामर्यै स्वाहा।
७०९. ॐ भयापहायै स्वाहा।
७१०. ॐ भयहायै स्वाहा।
७११. ॐ अभयदायै स्वाहा।
७१२. ॐ भोमायै स्वाहा।
७१३. ॐ भवारण्यकुठारिकायै स्वाहा।
७१४. ॐ सुभगायै स्वाहा।
७१५. ॐ भोगदायै स्वाहा।
७१६. ॐ भोग्यायै स्वाहा।

७१७. ऊँ सहस्रभगभोगिन्यै स्वाहा।

७१८. ऊँ महामात्रै स्वाहा।

७१९. ऊँ महाविद्यायै स्वाहा।

७२०. ऊँ महादेव्यै स्वाहा।

७२१. ऊँ महामत्यै स्वाहा।

७२२. ऊँ महाराज्ञयै स्वाहा।

७२३. ऊँ महासिद्धयै स्वाहा।

७२४. ऊँ महावीर्यायै स्वाहा।

७२५. ऊँ महाभुजायै स्वाहा।

७२६. ऊँ महामन्त्रायै स्वाहा।

६२७. ऊँ महाश्क्त्यै स्वाहा।

७२८. ऊँ मतंगमुनिपूजितायै स्वाहा।

७२९. ऊँ महाबलायै स्वाहा।

७३०. ऊँ महामानायै स्वाहा।

७३१. ऊँ महाभयविनाशिन्यै स्वाहा।

७३२. ऊँ महामायायै स्वाहा।

७३३. ऊँ महालक्ष्म्यै स्वाहा।

७३४. ऊँ महाभैरववन्दितायै स्वाहा।

७३५. ऊँ महापातकसंहन्त्रयै स्वाहा।

७३६. ॐ महाभैरवपूजितायै स्वाहा।

७३७. ॐ मायावत्यै स्वाहा।

७३८. ॐ अप्रमेयायै स्वाहा।

७३९. ॐ महासंकटनाशिन्यै स्वाहा।

७४०. ॐ महाहृदायै स्वाहा।

७४१. ॐ महार्गतायै स्वाहा।

७४२. ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै स्वाहा।

७४३. ॐ महास्मृत्यै स्वाहा।

७४४. ॐ महामेधसे स्वाहा।

७४५. ॐ महाघोरपराक्रमायै स्वाहा।

७४६. ॐ महानिद्रायै स्वाहा।

७४७. ॐ महामोहायै स्वाहा।

७४८. ॐ मूलाधारनिवासिन्यै स्वाहा।

७४९. ॐ महादुर्गायै स्वाहा।

७५०. ॐ महोत्साहायै स्वाहा।

७५१. ॐ महाबीजायै स्वाहा।

७५२. ॐ महारवायै स्वाहा।

७५३. ॐ महामुद्रायै स्वाहा।

७५४. ॐ महाबलायै स्वाहा।

७५५. ॐ महाशत्रुविनाशिन्यै स्वाहा।

७५६. ॐ मनुविद्यायै स्वाहा।

७५७. ॐ मृगीमध्यायै स्वाहा।

७५८. ॐ मृगत्वचे स्वाहा।

७५९. ॐ मृगलोचनायै स्वाहा।

७६०. ॐ मुण्डहस्तायै स्वाहा।

७६१. ॐ महाकाल्यै स्वाहा।

७६२. ॐ मुक्ताहारविभूषणायै स्वाहा।

७६३. ॐ महासाम्राज्यदायै (शान्तायै) स्वाहा।

७६४. ॐ मुक्तानांपरमगत्यै स्वाहा।

७६५. ॐ महायोगेश्वर्यै स्वाहा।

७६६. ॐ मायायै स्वाहा।

७६७. ॐ महिषासुरघातिन्यै स्वाहा।

७६८. ॐ मूलाधरायै स्वाहा।

७६९. ॐ मृडाण्यै स्वाहा।

७७०. ॐ मूलविग्रहरूपिण्यै स्वाहा।

७७१. ॐ मोक्षदायै स्वाहा।

७७२. ॐ महिष्यै स्वाहा।

७७३. ॐ मैत्रयै स्वाहा।

७७४. ॐ मातृमण्डलवासिन्यै स्वाहा।

७७५. ॐ महाकैलासनिलयायै स्वाहा।

७७६. ॐ मकुन्दायै स्वाहा।

७७७. ॐ मनोहरायै स्वाहा।

७७८. ॐ महाकामेशमहिष्यै स्वाहा।

७७९. ॐ महायोगक्रमोज्ज्वलायै स्वाहा।

७८०. ॐ महेश्वर्यै स्वाहा।

७८१. ॐ महाकल्पायै स्वाहा।

७८२. ॐ महाताण्डवसाक्षिण्यै स्वाहा।

७८३. ॐ मनुमात्रे स्वाहा।

७८४. ॐ महातन्त्रायै स्वाहा।

७८५. ॐ मलयाचलवासिन्यै स्वाहा।

७८६. ॐ महारूपायै स्वाहा।

७८७. ॐ महापुण्यायै स्वाहा।

७८८. ॐ महाभोगायै स्वाहा।

७८९. ॐ महोत्सवायै स्वाहा।

७९०. ॐ मनोबुद्धये स्वाहा।

७९१. ॐ महायन्त्रायै स्वाहा।

७९२. ॐ महाकीर्तये स्वाहा।

७९३. ॐ महोज्ज्वलायै स्वाहा।

७९४. ॐ मधुप्रीतायै स्वाहा।

७९५. ॐ मधुस्फीतायै स्वाहा।

७९६. ॐ मनोवाचामगोचरायै स्वाहा।

७९७. ॐ मनोमय्यै स्वाहा।

७९८. ॐ महादीक्षायै स्वाहा।

७९९. ॐ माधव्यै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिर्ऽसि ....

८००. ॐ मदनाशिन्यै स्वाहा।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

ध्यानम्

त्वं चन्द्रिका शशिनि तिग्मरूचौ रूचिस्त्वं
त्वं चेतनासि पुरूषे पवने बलं त्वम्।।
त्वं स्वादुतासि सलिले शिखिनि त्वंमूष्मा
निखिलं त्वदृते यदिस्यात।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

८०१. ॐ महत्यै स्वाहा।

८०२. ॐ मेरूनिलयायै स्वाहा।

८०३. ॐ मन्दारकुसुमप्रियायै स्वाहा।

८०४. ॐ मन्त्राणांशब्दसद्रूपायै स्वाहा।

८०५. ॐ महामन्त्रस्वरूपिण्यै स्वाहा।

८०६. ॐ यशोरूपायै स्वाहा।

८०७. ॐ यशोवत्यै स्वाहा।

८०८. ॐ यशःप्रीत्यै स्वाहा।

८०९. ॐ यशोधरायै स्वाहा।

८१०. ॐ योगिन्यै स्वाहा।

८११. ॐ योगमायायै स्वाहा।

८१२. ॐ योगज्ञायै स्वाहा।

८१३. ॐ योगिपूजितायै स्वाहा।

८१४. ॐ यज्ञप्रियायै स्वाहा।

८१५. ॐ यज्ञविद्यायै स्वाहा।

८१६. ॐ यज्ञविद्याप्रचारिण्यै स्वाहा।

८१७. ॐ यज्ञफलप्रदायै स्वाहा।

८१८. ॐ यजमानस्वरूपिण्यै स्वाहा।

८१९. ॐ योगयुक्तायै स्वाहा।

८२०. ॐ योगगम्यायै स्वाहा।

८२१. ॐ याजन्यै स्वाहा।

८२२. ॐ याजकप्रियायै स्वाहा।

८२३. ॐ यत्तद्पदानुबन्धायै स्वाहा।

८२४. ॐ योगनिद्रायै स्वाहा।

८२५. ॐ यशःस्विन्यै स्वाहा।

८२६. ॐ रक्तदन्तायै स्वाहा।

८२७. ॐ रक्तवर्णायै स्वाहा।

८२८. ॐ रक्तपुष्पवतंसिन्यै स्वाहा।

८२९. ॐ राजराजश्वर्यै स्वाहा।

८३०. ॐ राज्ञयै स्वाहा।

८३१. ॐ रमण्यै स्वाहा।

८३२. ॐ राजवल्लभायै स्वाहा।

८३३. ॐ राजश्रियै स्वाहा।

८३४. ॐ राजरमण्यै स्वाहा।

८३५. ॐ राजमातास्वरूपिण्यै स्वाहा।

८३६. ॐ राकेन्दुवदनायै स्वाहा।

८३७. ॐ रम्यायै स्वाहा।

८३८. ॐ रक्ताम्बरत्यै स्वाहा।

८३९. ॐ लक्ष्म्यै स्वाहा।

८४०. ॐ ललितादेव्यै स्वाहा।

८४१. ॐ लोलोक्ष्यै स्वाहा।

८४२. ॐ लालकुन्तलायै स्वाहा।

८४३. ॐ लोकेश्यै स्वाहा।

८४४. ॐ लोकसेव्यायै स्वाहा।

८४५. ॐ सदा लोकवश्यकर्यै स्वाहा।

८४६. ॐ लेखिकायै स्वाहा।

८४७. ॐ लेखियायै स्वाहा।

८४८. ॐ लेखन्यै स्वाहा।

८४९. ॐ लेखकप्रियायै स्वाहा।

८५०. ॐ लक्ष्यप्राप्तये स्वाहा।

८५१. ॐ सुलक्ष्यायै स्वाहा।

८५२. ॐ लोकवश्यविभाविन्यै स्वाहा।

८५३. ॐ वेदमात्रे स्वाहा।

८५४. ॐ वेदज्ञायै स्वाहा।

८५५. ॐ वेदविद्याप्रदायिन्यै स्वाहा।

८५६. ॐ वीरप्रियायै स्वाहा।

८५७. ॐ वीरेश्यै स्वाहा।

८५८. ॐ वीरसुवे स्वाहा।

८५९. ॐ वीरनन्दिन्यै स्वाहा।

८६०. ॐ वीरभुवे स्वाहा।

८६१. ॐ विष्णुमायायै स्वाहा।

८६२. ॐ विमलानन्दवर्धिन्यै स्वाहा।

८६३. ॐ वाग्वादिन्यै स्वाहा।

८६४. ॐ सुविजयायै स्वाहा।

८६५. ॐ विन्ध्याचलवासिन्यै स्वाहा।

८६६. ॐ वामाचारप्रियायै स्वाहा।

८६७. ॐ वरशस्त्रास्त्रधारिण्यै स्वाहा।

८६८. ॐ वामेश्वर्यै स्वाहा।

८६९. ॐ वीरेश्यै स्वाहा।

८७०. ॐ वीरभद्रायै स्वाहा।

८७१. ॐ विशारदायै स्वाहा।

८७२. ॐ विशालायै स्वाहा।

८७३. ॐ विश्वमात्रे स्वाहा।

८७४. ॐ विश्वेश्यै स्वाहा।

८७५. ॐ विश्वव्यापिण्यै स्वाहा।

८७६. ॐ वैद्यायै स्वाहा।

८७७. ॐ वैद्यचिकित्सायै स्वाहा।

८७८. ॐ विश्वकर्मविभाविन्यै स्वाहा।

८७९. ॐ विशालाक्ष्यै स्वाहा।

८८०. ऊँ सुनयनायै स्वाहा।
८८१. ऊँ वैष्णवे स्वाहा।
८८२. ऊँ विशालहृदे स्वाहा।
८८३. ऊँ वरशीलायै स्वाहा।
८८४. ऊँ वरदायै स्वाहा।
८८५. ऊँ वृन्दावनवासिन्यै स्वाहा।
८८६. ऊँ शक्त्यै स्वाहा।
८८७. ऊँ शक्तिधरायै (देव्यै) स्वाहा।
८८८. ऊँ शक्तियुतायै स्वाहा।
८८९. ऊँ शक्तिदायिन्यै स्वाहा।
८९०. ऊँ शुभदायै स्वाहा।
८९१. ऊँ शुभकर्त्रे स्वाहा।
८९२. ऊँ शुभलाभप्रदायिन्यै स्वाहा।
८९३. ऊँ शरभायै स्वाहा।
८९४. ऊँ शुभाननायै (देव्यै) स्वाहा।
८९५. ऊँ शूलिन्यै स्वाहा।
८९६. ऊँ शुभाशयायै स्वाहा।
८९७. ऊँ शैवध्यै स्वाहा।
८९८. ऊँ शरहस्तायै स्वाहा।

८९९. ॐ षोणायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि ....

९००. शाकम्भर्यै (शिवायै) स्वाहा।

ध्यानम्

त्वां व्यापिनीति समना इति कुण्डलीति,
त्वां कामिनीति कमलेति कलावतीति,
त्वां मालिनीति ललितेत्यपराजितेति,
देवि स्तुवन्ति विजयेति जयेत्युमेति।।

ॐ नमः उमा भगवत्यै

९०१. ॐ श्मशाननिलयायै स्वाहा।

९०२. ॐ त्रयक्षायै स्वाहा।

९०३. ॐ महाश्मशानसुन्दर्यै स्वाहा।

९०४. ॐ शाँकर्यै (भैरव्यै) स्वाहा।

९०५. ॐ श्यामायै स्वाहा।

९०६. ॐ शंकरार्धशरीरण्यै स्वाहा।

९०७. ॐ शिवाकान्तायै स्वाहा।

९०८. ॐ शिवसक्तायै स्वाहा।

९०९. ॐ शिवपत्न्यै स्वाहा।

९१०. ॐ शिवप्रियायै स्वाहा।

९११. ॐ शिवदूत्ये स्वाहा।

९१२. ॐ शिवानन्दायै स्वाहा।

९१३. ॐ शिवाराध्यायै स्वाहा।

९१४. ॐ स्वयंशिवायै स्वाहा।

९१५. ॐ शारिकायै स्वाहा।

९१६. ॐ शिवरात्रयै स्वाहा।

९१७. ॐ शुभ्राभायै स्वाहा।

९१८. ॐ शुभलक्ष्णायै स्वाहा।

९१९. ॐ शाम्भवे स्वाहा।

९२०. ॐ शश्वतायै स्वाहा।

९२१. ॐ शान्तायै स्वाहा।

९२२. ॐ शीतलायै स्वाहा।

९२३. ॐ शोकनाशिन्यै स्वाहा।

९२४. ॐ शिशूत्संगधरायै (दोलायै) स्वाहा।

९२५. ॐ शरद्कुमुदलोचनायै स्वाहा।

९२६. ॐ श्वेतरूपायै स्वाहा।

९२७. ॐ शुभ्रवस्त्रायै स्वाहा।

९२८. ॐ शशिवर्णायै स्वाहा।

९२९. ॐ शतनाम्ने स्वाहा।

६३०. ॐ सुलभायै स्वाहा।
६३१. ॐ श्यामङ्गन्यै स्वाहा।
६३२. ॐ शोभनायै स्वाहा।
६३३. ॐ शुकभाषणायै स्वाहा।
६३४. ॐ शिशुप्रियायै स्वाहा।
६३५. ॐ र्शवर्यै स्वाहा।
६३६. ॐ शिवज्ञानप्रदायिन्यै स्वाहा।
६३७. ॐ षट्चक्रस्थायै स्वाहा।
६३८. ॐ षट्कोणायै स्वाहा।
६३९. ॐ षणमार्गायै स्वाहा।
६४०. ॐ षोडशीकलायै स्वाहा।
६४१. ॐ षट्चक्रभेदिन्यै स्वाहा।
६४२. ॐ षट्चक्रक्रमवासिन्यै स्वाहा।
६४३. ॐ सरस्वत्यै स्वाहा।
६४४. ॐ सर्वेष्यै स्वाहा।
६४५. ॐ सर्वशक्तिमय्यै (प्रभायै) स्वाहा।
६४६. ॐ सावित्रयै स्वाहा।
६४७. ॐ सहस्राक्ष्यै स्वाहा।
६४८. ॐ त्रिसन्ध्यायै स्वाहा।

६४६. ॐ सदातुष्टायै स्वाहा।

६५०. ॐ सत्यज्ञानवत्यै स्वाहा।

६५१. ॐ सौम्यायै स्वाहा।

६५२. ॐ सामगानप्रियायै स्वाहा।

६५३. ॐ सत्यै स्वाहा।

६५४. ॐ सहस्रदलपद्मस्थायै स्वाहा।

६५५. ॐ सर्वापत्तिनिवारिण्यै स्वाहा।

६५६. ॐ सर्वाबाधाप्रशमन्यै स्वाहा।

६५७. ॐ सर्वरोगविनाशिन्यै स्वाहा।

६५८. ॐ सर्वदेवमय्यैशक्त्यै स्वाहा।

६५६. ॐ सर्वशत्रुभयप्रदायै स्वाहा।

६६०. ॐ सर्वदुःखहरायै (शिवायै) स्वाहा।

६६१. ॐ सर्वशापनिवारिण्यै स्वाहा।

६६२. ॐ सर्वपापहर्यै (हृष्टायै) स्वाहा।

६६३. ॐ सर्वकष्टानिवारिण्यै स्वाहा।

६६४. ॐ स्वर्गपर्वर्गदायै (देव्यै) स्वाहा।

६६५. ॐ सर्वसम्पतिदायिन्यै स्वाहा।

६६६. ॐ सर्वकामेषुसिद्धार्थायै स्वाहा।

६६७. ॐ सर्वेश्वर्यै स्वाहा।

९६८. ॐ सर्वदायै स्वाहा।

९६९. ॐ सहस्रनाम्ने स्वाहा।

९७०. ॐ सर्वेश्यै स्वाहा।

९७१. ॐ सर्वशक्तिमय्यै (शिवायै) स्वाहा।

९७२. ॐ सूर्यकान्तनिभायै (शुभ्रायै) स्वाहा।

९७३. ॐ सिद्धविद्यायै स्वाहा।

९७४. ॐ सनातन्यै स्वाहा।

९७५. ॐ सद्गत्ये स्वाहा।

९७६. ॐ सत्कोर्तयै स्वाहा।

९७७. ॐ सत्यमार्गप्रकाशिन्यै स्वाहा।

९७८. ॐ सुशीलायै स्वाहा।

९७९. ॐ सौभाग्यवत्यै (श्यामायै) स्वाहा।

९८०. ॐ सिन्दूरतिलकप्रियायै स्वाहा।

९८१. ॐ स्वयम्भुवे स्वाहा।

९८२. ॐ सुरूपायै स्वाहा।

९८३. ॐ सेवाफलविवर्धिन्यै स्वाहा।

९८४. ॐ सुखदायै स्वाहा।

९८५. ॐ स्वयमानन्दायै स्वाहा।

९८६. ॐ स्वयमानन्ददायिन्यै स्वाहा।

९८७. ॐ हरिप्रियायै स्वाहा।

९८८. ॐ हंसस्थायै स्वाहा।

९८९. ॐ हंसोज्ज्वलशिरोरूहायै स्वाहा।

९९०. ॐ क्षमायै स्वाहा।

९९१. ॐ क्षमाकरीदव्यै स्वाहा।

९९२. ॐ क्षान्त्यै स्वाहा।

९९३. ॐ कैवल्यदायिन्यै स्वाहा।

९९४. ॐ ज्ञानदायै स्वाहा।

९९५. ॐ ज्ञानेश्यै स्वाहा।

९९६. ॐ ज्ञानशक्तिसमन्वितायै स्वाहा।

९९७. ॐ ज्ञानिनाम्ने स्वाहा।

९९८. ॐ ज्ञानरूपायै स्वाहा।

९९९. ॐ ज्ञानमुद्रायै स्वाहा।

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि ....

१०००. ॐ ज्ञानिन्यै स्वाहा।

(पूर्णआहुति)

ऊँ हीं श्रीं हुँ उमा भगवत्यै स्वाहा।
अन्नपुर्णेसदा पूर्णे शंकरप्राणवल्लभे।
ज्ञानवैराग्यसिद्धार्थ भिक्षाम देहि च पावति।।
माता स्याद उमा देवी पिता देवो महेश्वर।
बांध्वा शिवभवतश्च स्वदेशो भवनत्रयम।।
उमा सहस्रनामकं स्तोत्रं स्वयमानन्दभाषितम्।
भोगमोक्षप्रंद पुण्यं सर्वकष्टनिवारिकम्।।
कल्याणदं सुमधुरं सर्वसम्पत्तिकारकम्।
श्रण्यं गेयं शिवं श्रेष्ठं सर्वकामफलप्रदम्।।
सुभोगमोक्षदं दिव्यं शिवं भक्तमनोरमम्।
यः पठेद् भक्तिनो नित्यं तस्मिन माता प्रसीदति।।

उमाष्टकम्

चामरं दक्षिणो हस्ते कमलं चोत्तरे तथा।
रक्ताम्बरा दया मूर्तिः प्रसन्नोमास्तु सर्वदा।।१।।
सुर्वणसहशी गौरी भुजद्धयसमन्विताम्।
नीलपद्म हि वामेन पाणिना विभ्रतीं सदा।।२।।
दिवाकरशतद्युतिं जननीं भुक्तिमुक्तिदाम।

सुमुखीं वरदां देवी सिंहस्था, परिपूजयेता ।।३।।

भक्ताय शिवरामाय स्नुषा ब्राहस्य सन्निधौ ।

स्वप्ने स्वं दर्शयामास रूपं वैराग्यदं शुभम ।।४।।

काकरूपा ततो देवी भक्तानुग्रहकाम्यया

ओंकाररूप तां याता पञ्चधाऽभयदायिनी ।।५।।

प्रादुर्भूता नदी रूपा भक्तानां फलदायिनी ।

ओंकाररूपा पञ्चधा दिव्य कुण्डजा फलदायिनी ।।६।।

भक्तः प्रभावयुक्तायाः स्वयमानन्दनामकः ।

देव्या भवननिर्मातुः शिलान्यासं चकार सः ।।७।।

''ओंकार रूपेणा विराजमानासा पूजकानां वरदायिनी च।

रक्ताम्बरा दिव्यवपुः उमाख्या सा बह्मरूपा विजयस्य-

दात्री ।।८।।

श्री उमा देवी जी की आरती

जगजननी जय! जय! मां (जगजननी जय! जय! जय!)

भयहारिणि, भवतारिणि, भवभामिनि जय! जय! जय!

तू ही सत-चित सुखदाय शुद्धबह्मरूपा ।

सत्य सनातन सुन्दर पर-विश्व सूर भूपा ।।१।। जग..

आदि अनादि अनामय अविचल अविनाशी

अमल अनन्त अगोचर अज आनन्दराशी ।।२।। जग..

अविकारी अहगारी अकल कलाधारी।
कर्ता विधि भर्त्ता हरि हर संहारकारी।।३।। जग...
तू विधिवधू रमा तू उमा महामाया।
मूल प्रकृति विद्या तू तू जननी जाया।।४।। जग...
रामकृष्ण तू, सीता ब्रजरानी राधा
तू वाञ्छाकल्पद्रुम हारिणि सब बाधा।।५।।जग...
दशविद्या, नवदुर्गा, नानाशस्त्रकरा।
अष्टमातृका योगिनि, नव नव रूप धरा।।६।। जग...
तू परधामनिवासिनि महाविलासिनितू।
तू ही श्मशानविहारिणि, ताण्डवलासिनि तू।।६।। जग..
सुरमुनि-मोहिनि सौम्या तू शोभाऽऽधारा।
विवसन विकट-सरूपा प्रलयमयी धारा।।७।।
तू ही स्नेह सुधामयि तू अति गरल मना।
रत्नविभूषित तू ही तू ही अस्थि तना ।।८।। जग...
मूलाधारनिवासिनी इह-पर-सिद्धिप्रदे।
कालातीता काली, कमला तू वर दे।।१०।। जग...
शक्ति शक्तिधर तू ही नित्य अभेदमयी।
भेदप्रदर्शिनि वाणी विमले! वेदत्रयी।।११।। जग...
हम अति दीन दुःखी मां! विपल जाल घेरे।

है कपूत अति कपटी पर बालक तेरे।।१२।। जग...
निज स्वभाववश जननी! दया दृष्टि कीजै।
करूणा कर करूणामयी! चरण-शरण दीजै।।१३।। जग..

देवी मयी

तव च का किल न स्तुतिरम्बिके!
सकलशब्दमयी किल ते तनुः
निखिमूर्तिषु में भवदन्वयो
मनसिजासु बहिः प्रसारासु च इति विचिन्त्य शिवे !
शमिताशिवे।
जगति जातमययत्रवशादितम् स्तुतिजपार्चनचिन्तनवर्जिता
न खलु काचन काल कलास्ति मे।।
महामेश्वर आचार्य अभिनवगुप्त।

क्षमा प्रार्थना

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरी।।१।।
आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम।
पूजा चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि।।२।।
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरि।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्णा तदस्तु मे।।३।।

अपराधशतं कृत्वा जगदम्बेति चोच्चरेत।
यां गतिं समवाप्नोति न तां ब्रहगदयः सुरा।।४।।
सापराधोऽस्मि शरणं प्राप्तस्त्वां जगदम्बिके।
इदानीमनुकम्पयोऽहं यथेच्छसि तथा कुरू।।५।।
अज्ञानाद्धिस्मृते भ्रान्त्या यन्नूनमधिकं कृतम्।
तत्सर्व क्षम्यतां देवि प्रसीद परमेश्वरि।।६।।
कामेश्वरि जगन्मातः सच्चिदानन्दविग्रहे।
गृहाणाचर्मिमां प्रीत्या प्रसीद परमेश्वरि।।७।।
गुह्यातगुह्यागोप्त्री त्वं गृहाणा स्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिभक्तु में देवि त्वत्प्रसादात्सुरेश्वरि।।८।।

।।श्री उमा र्पणमस्तु।।

जागृत

उत्तिष्ठ ॐ प्राप्य

वरान्
निबोधत

प्रकाशकः-
स्वामी स्वयमानन्द आश्रम मुट्ठी जम्मू